RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:283 ता. 01 मई 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

पुणे में दो लाख लोगों से सीधे रुबरु होंगे पीएम मोदी

पुणे।

इन दिनों देश में लोकसभा चुनाव चल रहा है। हर एक नेता चुनाव जीतना चाहता है और हर एक दल अपनी सरकार बनाना चाहता है। इसके लिए सीधे तौर पर मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास जारी है। आज पीएम नरेंद्र मोदी पुणे में लगभग दो लाख लोगों से सीधे रुबरु होने जा रहे हैं। महाविजय संकल्प रैली शाम चार से नौ बजे के बीच रेसकोर्स ग्राउंड में होगी। बता दें, पुणे में लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा। वोटों की गिनती चार जून को होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां कर रहे हैं। आज पीएम मोदी महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक मेगा रैली करेंगे। पीएम मोदी यहां महायुति के चारों उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार के लिए महाविजय संकल्प रैली को संबोधित करेंगे, जिसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। महायुति नेताओं ने पिछले हफ्ते शुक्रवार को मोदी की रैली की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की थी। बैठक के बाद महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को पुणे के रेसकोर्स में रैली करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि रैली में दो लाख लोग शामिल हो सकते हैं। साथ ही कहा था कि पुणे, मावल, बारामती और शिरूर के पार्टी पदाधिकारी 29 अप्रैल को इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

वैज्ञानिक का दावा- चिनाब में हुई हलचल का नतीजा है भू-धंसाव

जम्मू।

भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसएस जसरोटिया ने दावा किया है कि रामबन जिले के परनोट गांव में भूमि धंसने और दरारें आने का मूल कारण चिनाब नदी में हो रहा टेक्टोनिक मूवमेंट यानी पृथ्वी की सतह के नीचे उथलपुथल हो सकता है। इन प्राकृतिक घटनाओं को हम रोक नहीं सकते, लेकिन ऐसे क्षेत्रों में अतिरिक्त सावधानी बरत सकते हैं। प्रो. जसरोटिया के मुताबिक, रामबन में संगलदान की तरफ से आ रही चंगी स्ट्रीम (खड्ड), चिनाब दरिया में मिलती है। जिस स्थान पर चंगी स्ट्रीम चिनाब दरिया में मिलती है वहां दरिया नीचे की ओर दक्षिण की तरफ थोड़ा सीधा बहता है, फिर मुड़ता और फिर सीधा हो जाता है। जब सीधा होता है तो यह फॉल्ट लाइन बनती है, जबकि दरिया के नीचे भी पहले से फॉल्ट लाइन है। दोनों फॉल्ट लाइन बनने से वहां रिवर फॉल्ट बनता है। यह दो अंगुलियों के एक-दूसरे से मिलने जैसा होता है। यहां रामबन की तरफ से आ रहा दरिया ऊपर जाता है, जबकि संगलदान की तरफ से आ रही स्ट्रीम नीचे चली जाती है। इसके एक सिरे को फुट वॉल तो दूसरे को हैंगिंग वॉल कहते हैं। यहां बनने वाले रिवर फॉल्ट से टेक्टोनिक मूवमेंट बनता है। जिस स्थान पर ये मूवमेंट हो रहा है उसके दाहिनी ओर परनोट गांव आता है, जबकि बाईं तरफ संगलदान आता है।

शाह के वीडियो से छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली।

आरक्षण के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो को मंत्रालय ने बड़ी गंभीरता से लिया है। शाह का छेड़छाड़ वाला वीडियो पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आरक्षण के मुद्दों के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक छेड़छाड़ किए गए वीडियो के प्रसार के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है। देश भर में ऐसे एक्स हैंडल चलाने वाले स्पेशल सेल के रडार पर हैं और इस सिलसिले में जल्द गिरफ्तारी की संभावना है।

राजा-रजवाडों पर बयान को लेकर करणी सेना की मांग, कांग्रेस नेता राहुल गांधी माफी मांगे

राजकोट । राजकोट करणी सेना ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की है. करणी सेना प्रमुख भूपतसिंह जाडेजा ने कहा कि क्षत्रिय समाज अगर पुरुषोत्तम रूपाला का विरोध करता है तो राहुल गांधी का भी विरोध करना चाहिए. क्षत्रिय समाज की बहन-बेटियों के साथ बाप-दादा भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं. बता दें कि राहुल गांधी ने एक चुनावी रैली के दौरान राजा-महाराजाओं को लेकर विवादित बयान दिया था. जिसमें उन्होंने कहा था कि राजा-महाराजा मनमानी करते थे. जब चाहते तब कमजोर, एससी और एसटी की जमीन छीन लेते थे. राहुल गांधी के इस बयान को लेकर क्षत्रिय समाज आग बबूला है और पुरुषोत्तम रूपाला के बाद अब राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. करणी सेना ने राहुल गांधी से राजा-महाराजाओं पर दिए बयान को लेकर माफी मांगने की मांग की है. करणी सेना प्रमुख भूपतसिंह जाडेजा ने कहा कि राहुल गांधी ने राजा-रजवाडों को लेकर अनर्गल बयानबाजी की है, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज की बहन-बेटियों के साथ ही हमारे पूर्वज भी उतने ही महत्वपूर्ण है.

आसमान से बरसती आग से झुलस रहा आधा भारत

कहीं बर्फबारी ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली।

भारत में मौसम का भी अपना रंग हैं। यहां कहीं झुलसाने वाली गर्मी होती है तो कहीं बर्फबारी जानलेवा हो जाती है। इस वक्त भी कुछ इसी तरह का मौसम अपना रंग दिखा रहा है। करीब आधा भारत भीषण गर्मी,लू से झुलस रहा है तो पूर्वोत्तर के हिमालयी क्षेत्रों में बारिश, बर्फभारी हो रही है। उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों को प्रचंड गर्मी से राहत को मिली है, लेकिन तेज आंधी के साथ पानी और ओलावृष्टि का सामना करना पड़ रहा है। देश के पूर्वी, मध्य और दक्षिण इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय इलाकों में पिछले 15 दिनों से ही लू की स्थिति बनी हुई है। इस समय दोनों राज्यों के कई इलाके प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए झारखंड और ओडिशा में लू और भीषण गर्मी को लेकर रेड अलर्ट और बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, कर्नाटक के आंतरिक इलाके, आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल के अलग-अलग इलाकों और महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में भी झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है और लू चल रही है। त्रिपुरा में लू के चलते सभी स्कूलों को 1 मई तक बंद कर दिया गया है। देश का आईटी हब बंगलूरू पानी के संकट के बाद प्रचंड गर्मी से झुल रहा है। रविवार को महानगर का अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। यह सामान्य से 4 डिग्री से भी अधिक है। आईएमडी के बंगलूरू केंद्र के निदेशक सीपी पाटिल ने बताया कि शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक रहा। अभी तक बंगलूरू में अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा है जो 25 अप्रैल, 2016 को दर्ज हुआ था। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अगले दो दिन कुछ स्थानों पर भारी बारिश, कई स्थानों पर ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के विदर्भ, पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्र, सिक्किम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों और तटवर्ती आंध्र प्रदेश, केरल के कुछ स्थानों और लक्षद्वीप के कुछ क्षेत्रों में कहीं हल्की तो कहीं भारी

बारिश, अंधड़ और ओलावृष्टि को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें से कई इलाकों में रविवार को गरज के साथ बारिश हुई और कुछ स्थानों पर बिजली भी गिरी। पहाड़ों पर बर्फ गिरे। देश के आधे से अधिक हिस्से में जहां लू चल रही है, वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी से लोग परेशान हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाके बर्फबारी की चपेट में हैं। जम्मू-कश्मीर में तो बर्फबारी के साथ बर्फीला तूफान भी चल रहा है। इसी बदले मौसम के चलते बांदीपोरा में राजदान टॉप पर हुई बर्फबारी में 35 वाहन बुरी तरह फंस गए थे। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने कड़ी मशक्कत के बाद इन वाहनों को सुरक्षित निकाला।

ड्रोन से रखी जाएगी चारधाम यात्रा पर नजर, चीता मोबाइल की भी होगी तैनाती

देहरादून।

चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कहीं कोई असुविधा न हो इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम चल रहा है। इसके लिए यात्रा मार्ग पर अलग-अलग जगहों को चिह्नित करते हुए पुलिस हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। जिससे यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा क्षेत्र से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है।

चारधाम यात्रा मार्ग पर दून पुलिस के हॉक आई ड्रोन निगरानी करेंगे। इसके लिए चार ड्रोन हमेशा आसमान में उड़ते रहेंगे। यात्रा मार्ग पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने के अलावा ये नियमों के उल्लंघन होने पर कार्रवाई भी करेंगे।यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शनिवार को ऋषिकेश पहुंचे एसएसपी अजय सिंह ने यह निर्देश पुलिस को दिए। इसके अलावा मौजूदा ट्रैफिक और चीता पुलिस के अलावा यात्रा मार्ग पर 10 अतिरिक्त चीता मोबाइल तैनात किए जाएंगे। एसएसपी ने शनिवार को चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन ऑफिस, ट्रांजिट कैंप आदि का निरीक्षण किया।इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज साइट का भी निरीक्षण किया। यहां पर भविष्य में लोगों को कोई असुविधा न हो, इसके लिए उन्होंने स्थानीय पुलिस को निर्देशित भी किया। उन्होंने यात्रा मार्ग पर जगह-जगह रूट के फ्लैक्स बोर्ड लगाने को कहा। इसके अलावा यातायात के दबाव वाले क्षेत्रों में बैरियर लगाकर वाहनों के आने और जाने के लिए अलग अलग लेन बनाई जाए। पूर्व में चारधाम यात्रा के संचालन के दौरान सामने आयी दिक्कतों का संज्ञान लेते हुए यात्रा शुरू होने से पूर्व उनके निराकरण के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने की तैयारी कर रखी है।

कनाडा के पीएम की मौजूदगी में खालिस्तानी समर्थक नारेबाजी का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली ।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालिस्तानी समर्थक नारेबाजी का भारत ने कड़ा विरोध जताया है। साथ ही कनाडा के राजदूत को तलब किया है। कनाडा के बड़े नेताओं की मौजूदगी वाले एक कार्यक्रम के दौरान खालिस्तान के नारे लगाने के लिए विदेश मंत्रालय ने कनाडा के उप उच्चायुक्त को तलब किया था। कार्यक्रम को कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी संबोधित किया था। आयोजन में इस तरह की नारेबाजी को जारी रखने की सहमति पर भारत सरकार की ओर से गहरी चिंता और कड़ा विरोध व्यक्त किया गया है। कहा गया है कि ये कनाडा में एक बार फिर अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को दिए गए राजनीतिक स्थान को दर्शाता है। इस तरह की घटनाएं न केवल भारत-कनाडा संबंधों को प्रभावित करती हैं, बल्कि कनाडा में अपने ही नागरिकों के लिए हिंसा और आपराधिकता के माहौल को भी बढ़ावा देती हैं। दरअसल टोरंटो में आयोजित खालसा दिवस समारोह में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ-साथ विपक्षी नेता पियरे पोइलीवरे की मौजूदगी में खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए थे। कनाडा स्थित सीपीएसी टीवी द्वारा जारी किए गए वीडियो में दिखा कि जैसे ही पीएम ट्रूडो खालसा दिवस के मौके पर अपने संबोधन के लिए मंच पर जाने वाले थे, तेज आवाज में नारे लगाए जाने लगे।इस कार्यक्रम में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे, जिसमें एनडीपी नेता जगमीत सिंह और टोरंटो मेयर ओलिविया चाउ भी मौजूद थे।

उत्तराखंड के जंगलों में आग लगाने वालों को रंगे हाथ पकड़ा

आरोपियों में नेपाली मजदूर भी शामिल

पौड़ी।

भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडौन के वनकर्मियों ने जंगल में आग लगाते हुए एक नेपाली मजदूर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। उसके तीन अन्य साथियों ने भी आरोपी के खिलाफ बयान दिए हैं। भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडौन के जयहरीखाल रेंज अधिकारी बीडी जोशी ने बताया कि रविवार को वनकर्मी कुल्हाड़ के नापखेतों में लगी आग बुझाने के बाद वापस लौट रहे थे। इस दौरान एक व्यक्ति कुल्हाड़ मोड़ के समीप सड़क किनारे जंगल में आग लगा रहा था। वनकर्मियों ने उसे आग लगाते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। उसके हाथ में गैस लाइटर भी था। जबकि घटनास्थल से कुछ दूरी पर ही उसके तीन अन्य साथी पाइपलाइन बिछाने का कार्य कर रहे थे। डीएफओ गढ़वाल वन प्रभाग स्वप्निल अनिरूद्ध ने बताया कि रविवार को पौड़ी रेंज के तहत खिर्सू में आरक्षित वनों को आग से बचाने के लिए फॉरेस्टर जगदीश नेगी व उनकी टीम गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान टीम को पांच लोगों को खिर्सू के समीप आरक्षित वन में आग लगाते हुए दबोच लिया। विभाग के अनुसार आरोपियों के नाम मोसार आलम, नाजेफर आलम, फिरोज आलम, नुरूल व शालेम है।

सभी बिहार के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि ये खिर्सू के चौबट्टा में रहते हैं और मजदूर हैं। वहीं नैनीताल के जंगल में लगी आग पर सीएम पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि हम भारतीय सेना समेत सभी संस्थाओं से मदद मांग रहे हैं। स्थानीय लोगों से भी आग बुझाने के लिए सहयोग करने को कहा जा रहा है। जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों की जिम्मेदारी इसमें भी सुधार किया जाएगा।

वनकर्मी चारों को पकड़कर रेंज कार्यालय लैंसडौन लाए। जहां तीनों गवाह राजेंद्र, सतीश कुमार और रंजीत सिंह ने नेपाली मजदूर टेकराम द्वारा जंगल में आग लगाए जाने की बात स्वीकार की। उन्होंने बताया कि चारो को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। कोतवाल लैंसडौन मोहम्मद अकरम ने बताया कि जंगल में आग लगाने के आरोपी नेपाली मजदूर टेकराम के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में जल्द ही अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मोदी सरकार संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगी - अमित शाह

गुवाहाटी ।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार संविधान से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगी। लोकसभा चुनाव के दो चरणों में वोट प्रतिशत कम होने के सवाल पर गृहमंत्री ने कहा कि इसके दो कारण हैं। पहला - कई सालों बाद मतदाता सूची का शुद्दीकरण हुआ है, दूसरा - कांग्रेस के समर्थक निराश होकर घर बैठ गए हैं। एक समाचार चैनल से शाह ने कहा कि जिस दिन गिनती होगी, उस दिन ये साबित हो जाएगा कि मार्जिन भी बढ़ेगी, सीटें भी बढ़ेंगी और प्रचंड बहुमत के साथ हम 400 पार करेंगे।

विपक्ष के इस आरोप पर कि

अगर एनडीए 400 पार हुई, तो संविधान में बदलाव होगा और आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा, अमित शाह ने कहा, संविधान बदलने की क्षमता तो हमारे पास 10 सालों से है। विपक्ष को पूर्ण बहुमत की आदत नहीं होगी, लेकिन हमारे पास तो 10 साल से है। लेकिन हमने पूर्ण बहुमत का उपयोग धारा 370 हटाने में किया, ट्रिपल तलाक हटाने में किया, राम मंदिर बनाने में किया, अंग्रेजों के बनाए कानून बदलने में किया। 400 पार तो देश को और मजबूत करने के लिए चाहिए।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाकिस्तान को लेकर दिए बयान पर गृहमंत्री ने कहा कि विपक्ष तो वोट बैंक के कारण पाकिस्तान का भी विरोध नहीं कर रहा है।

रामबन में भूमि धंसाव: नेमनाद-तेलगा असुरक्षित, वैज्ञानिकों से संभाला मोर्चा

जम्मू।

इलाके में लगातार बारिश के बीच जमीन धंसने का सिलसिला अभी भी जारी है, जिससे बचे हुए दो दर्जन से अधिक घरों पर भी खतरा मंडरा रहा है, जबकि सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि को भी प्राकृतिक आपदा का खामियाजा भुगतना पड़ा है। भूमि धंसाव का ऐरिया करीब पांच किमी तक फैल गया है। हालात ये है की नेमनाद तेलगा भी असुरक्षित माना जा रहा है। जमीन अध्ययन और आगामी खतरों को जानने और उसका आंकलन करने के लिए भू वैज्ञानिकों ने यहां डेरा डाल दिया है। भारी बारिश के बीच परनोट इलाके में भूमि धंसाव चौथे दिन रविवार को भी जारी रहा। इसका दायरा बढ़कर अब पांच किलोमीटर तक पहुंच जाने का अनुमान है। जिला प्रशासन ने मोहल्ला नेमनाद और तेलगा को असुरक्षित घोषित किया है। साथ ही बिना आदेश के इन क्षेत्रों में न जाने की चेतावनी जारी की गई है।

रामबन के उपायुक्त बसीर उल हक चौधरी ने कहा कि गूल उपमंडल को रामबन मुख्यालय से जोड़ने के लिए एक वैकल्पिक सड़क चालू कर दी गई है और बिजली सहित आवश्यक आपूर्ति की बहाली लगभग पूरी हो गई है। 30 सदस्यीय राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक मजबूत टीम प्रभावित आबादी को सुरक्षित स्थानों पर जाने में सहायता प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों में शामिल हो गई है। उपायुक्त ने कहा, प्रशासन ने बचाव और राहत उपायों की निगरानी के लिए गांव में एक कैंप कार्यालय स्थापित किया है। प्रशासन पीड़ित परिवारों के भोजन और आश्रय की देखभाल कर रहा है और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इलाके में 100 घर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपदा से प्रभावित हैं। 58 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 500 से अधिक लोगों को तीन स्थानों पर सुरक्षित आवास में स्थानांतरित किया जा चुका है। इसबीच भूविज्ञान विशेषज्ञ गांव में डेरा डाले हुए हैं और जमीन धंसने का सही कारण जानने के लिए नमूने एकत्र कर रहे हैं। यह टीम एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी।

भूमि धंसने के कारण क्षतिग्रस्त हुए अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर परनोट गांव निवासी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।जिसके कारणों की जांच भूविज्ञान विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने मानदंडों के तहत पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा जारी करने की सुविधा के लिए युद्ध स्तर पर नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया है। मुसलमानों और हिंदुओं की मिश्रित आबादी वाले इस गांव में लोगों ने मुश्किल समय में एक-दूसरे की मदद करते देखा। स्थानीय निवासी मोहम्मद इकबाल कटोच ने बताया, वीरवार शाम जब हमारे घरों में दरारें पड़ने लगीं तो हमने कुछ ही घंटों में सब कुछ खो दिया। आठ लोगों के परिवार

के मुखिया कटोच ने कहा कि घर में डेढ़ फुट की दरार पड़ते ही वह पड़ोसी दीपक के साथ सुरक्षित स्थान पर चले गए।

पूर्व सांसद और उधमपुर-कठुआ सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी चौधरी लाल सिंह और एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान ने प्रभावित परनोट गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

खुद को सरकारी अधिकारी बता कारोबारी से 2 करोड़ की धोखाधड़ी की

ठाणे । महाराष्ट्र में नवी मुंबई के 42 वर्षीय एक कारोबारी से खुद को सरकारी अधिकारी बताने वाले एक व्यक्ति ने 2 दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। नवी मुंबई में नेरुल निवासी पीड़ित को कोविड-19 महामारी के दौरान कारोबार में नुकसान हुआ था। नेरुल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2021 में वह पड़ोसी मुंबई में पारेल निवासी आरोपी के संपर्क में आया जिसने खुद को केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में एक उच्च अधिकारी बताया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पीड़ित को यह दावा करते हुए कर्ज दिलाने का वादा किया कि उसकी एक बैंक के सीईओ से जान-पहचान है। उसने कर्ज के लिए एक संपत्ति गिरवी रखने का प्रस्ताव भी किया। पीड़ित ने उसे बताया कि उसके पास गिरवी रखने के लिए संपत्ति नहीं है। इसके बाद आरोपी ने उसे एक अन्य व्यक्ति के बारे में बताया जो कर्ज ले रहा है। उसने दावा किया कि वह व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रख सकता है और कर्ज की राशि दोनों के बीच समान रूप से वितरित हो सकती है। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने इस झांसे में आकर उसे 2 करोड़ रुपये दे दिए जो उसे पुणे मेट्रो परियोजना के लिए तेलंगाना के एक ठेकेदार से मिले थे। जब पीड़ित ने कर्ज मांग रहे दूसरे व्यक्ति और बैंक अधिकारी से मिलने के लिए कहा तो ठग ने उससे बात करना बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर नेरुल पुलिस थाने ने शनिवार को धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत आरोपी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्मृति ईरानी के पास 8.75 करोड़, राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है

लखनऊ/अमेठी । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से ज्यादा धन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पास है। इसका खुलासा सोमवार को दोनों के नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे में हुआ। स्मृति के पास 8.75 करोड़ व राजनाथ सिंह के पास 6.46 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है। राजनाथ सिंह की संपत्ति 8 साल में 40 फीसद बढ़ी है। वर्ष 2019 में उनकी संपत्ति 4.62 करोड़ रुपये की थी। अब यह बढ़कर 6.46 करोड़ रुपये हो गई है। लखनऊ से तीसरी बार चुनावी मैदान में उतरे राजनाथ सिंह ने अपने पास 75 हजार व पत्नी के पास 45 हजार की नकदी की जानकारी दी है। उनके पास 1 रिवॉल्वर और एक 2 नाली बंदूक भी है। साथ ही 4.20 लाख रुपये का सोना और 4 लाख के रत्न हैं। उनकी पत्नी के पास 52.50 लाख का सोना और 9.37 लाख की चांदी है। उनकी पत्नी के पास कुल 90.71 लाख की संपत्ति है। यही नहीं उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा नहीं है। वहीं स्मृति जुबिन ईरानी की संपत्ति 8 करोड़ 75 लाख 24 हजार 296 रुपये है। उनके पति की कुल संपत्ति 8 करोड 81 लाख 77 हजार 790 रुपये है। 5 साल में उनकी संपत्ति 4 करोड़ 4 लाख 22 हजार 348 रुपये बढ़ी है। जबकि उनके पति की संपत्ति में भी 4 करोड़ 14 लाख 19 हजार 976 रुपये का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी अमेठी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। वह 2014 के चुनाव में हार गई थीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को हराया था। 2024 में भाजपा ने फिर उन्हें मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने अभी अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

नाबालिग के माता-पिता का मन बदला, कोर्ट ने वापस लिया गर्भपात कराने का आदेश

नयी दिल्ली। 14 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के माता-पिता द्वारा अपना मन बदलने के बाद सुप्रीमकोर्ट ने अपना 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया, जिसमें उसने लड़की को 30 सप्ताह का गर्भ को गिराने की अनुमति दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने नाबालिग लड़की का कल्याण ''बेहद महत्वपूर्ण'' बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति दी थी। अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार है। सुप्रीमकोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले की सुनवाई की और पीठ की सहायता कर रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी तथा नाबालिग लड़की के माता-पिता के वकील से बातचीत की। मामले से जुड़े वकीलों ने कहा कि लड़की के माता-पिता ने वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए जजों के साथ बातचीत की। लड़की के माता-पिता ने कहा कि उन्होंने गर्भावस्था की पूरी अवधि तक इंतजार करने का फैसला किया है। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने नाबालिग लड़की के माता-पिता की दलीलें स्वीकार कर लीं और 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया है।

कैडबरी की चॉकलेट में मिली फंगस, ग्राहक ने तस्वीर की शेयर, पहले भी कैडबरी चॉकलेट में कीड़ा मिलने की मिल चुकी है शिकायत

नई दिल्ली। चॉकलेट खाने वालों के लिए एक बुरी खबर है, कैडबरी चॉकलेट में कीड़े के बाद अब फंगस मिलने का दावा किया जा रहा है। हैदराबाद में एक ग्राहक ने दावा किया है कि उसकी कैडबरी चॉकलेट में फंगस निकली है। उसने चॉकलेट की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसके बाद कई यूजर्स ने भी इस तरह की शिकायत की हैं। एक बार फिर कंपनी की क्वालिटी पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने चॉकलेट की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, डेयरी मिल्क चॉकलेट की मैन्यूफैक्चरिंग जनवरी, 2024 है और इसकी एक्सपायरी डेट मैन्यूफैक्चरिंग से 12 महीने तक है। जब मैंने इसे खोला तो यह पाया कि चॉकलेट में फंगस लगी है। साथ ही एक चॉकलेट में पीछे बड़ा छेद था। कई यूजर्स ने इसे शेयर भी किया है और इस पर कमेंट किया है। इस पर कंपनी ने जवाब देते हुए कहा है कि वह हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड्स बनाए रखने की कोशिश करती है। इससे पहले भी फरवरी में हैदराबाद के एक व्यक्ति ने कैडबरी चॉकलेट के पैकेट से जिंदा कीड़ा निकलने की शिकायत की थी। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा मचा था। 2003 में भी दिवाली से पहले मुंबई में ग्राहक ने कैडबरी के चॉकलेट में कीड़ा मिलने की शिकायत की थी। तब महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कैडबरी के पुणे प्लांट में बने चॉकलेट स्टॉक को जब्त कर लिया था। इस घटना के बाद कैडबरी की बिक्री में गिरावट आ गई थी। कैडबरी चॉकलेट बनाने वाली कंपनी का मालिकाना हक अमेरिका की कंपनी मोंडेलेज इंटरनेशनल के पास है।

सुरक्षा बलों ने 4 नक्सली ढेर किए और कईयों को घेरा, एनकाउंटर जारी

बस्तर । बस्तर के अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर चल रहा है। इसमें अभी तक 4 नक्सली मारे गए हैं जबकि कईयों को घेरकर रखा है। मंगलवार सुबह से जारी एनकाउंटर खबर लिखे जाने तक जारी था। जानकारी के मुताबिक, बस्तर के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में जवानों ने नक्सलियों को कई जगहों पर घेरा है। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और एसटीएफ की टीमें अबूझमाड़ की जंगलों में मौजूद हैं। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग की जा रही है। इस एनकाउंटर में अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। एनकाउंटर में नक्सलियों का कितना नुकसान हुआ है, यह अभी साफ नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक 4 नक्सली ढेर हो चुके हैं। मुठभेड़ लगातार जारी है। बता दें कि कुछ दिनों पहले जवानों ने कांकेर जिले के छोटे बेठिया में 29 नक्सलियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को सात महिला नक्सलियों समेत 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ एरिया कमेटी में सक्रिय थे। उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान लोन वर्राटू से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही, जून 2020 में शुरू किए गए पुलिस के लोन वर्राटू (अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान के तहत अब तक 177 इनामी नक्सली सहित कुल 761 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। इससे पहले इस महीने की 24 तारीख को जिले में तीन महिला नक्सलियों समेत 18 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ काटकर गिराने तथा नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का आरोप है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नौसेना को शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना होगा: एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

लखनऊ (एजेंसी)। नयी दिल्ली। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने नौसेना के 26वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना को समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय अभियान की दृष्टि से तैयार रहना होगा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ एडमिरल त्रिपाठी ने आर हरि कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। एडमिरल हरि कुमार चार दशकों के शानदार कॅरियर के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने ऐसे समय में नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली है जब लाल सागर और अदन की खाड़ी समेत अनेक रणनीतिक जलमार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां पैदा हुई हैं जिनमें क्षेत्र में हूती उग्रवादियों द्वारा विभिन्न कारोबारी जहाजों को निशाना बनाया जाना शामिल है। एडमिरल त्रिपाठी ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले कुछ सालों में हमारी नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय और भविष्य के लिहाज से तत्पर बल के रूप में विकसित हुई है।''

उन्होंने कहा, ''समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना को शांतिकाल में संभावित शत्रुओं से निपटने के लिए हर समय परिचालन की दृष्टि से तैयार रहना होगा और यदि कहा जाए तो समुद्र में तथा समुद्र से युद्ध जीतने के लिए तैयार रहना होगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''मेरा एकमात्र ध्यान और प्रयास इस दिशा में होगा।'' नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि आत्म-निर्भरता बढ़ाने के लिए नौसेना के जारी प्रयासों को बढ़ाने पर वह प्राथमिकता देंगे।

उन्होंने कहा, ''मैं आत्म-निर्भरता की दिशा में, नई प्रौद्योगिकियों को पेश करने में और 'विकसित भारत' के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों की दिशा में राष्ट्रीय विकास कामहत्वपूर्ण स्तंभ बनने में भारतीय नौसेना के चल रहे प्रयासों को भी मजबूत करूंगा।'' एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि वह बल के मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, ''मेरी प्राथमिकता हमारे मानव संसाधन का कौशल विकास करने की होगी जो हमारी नौसेना के पुरुष और महिला कर्मी हैं। मेरी प्राथमिकता उन्हें सर्वश्रेष्ठ शस्त्र, प्रशिक्षण, पेशेवर माहौल और प्रशासनिक समर्थन देने की होगी।'' उन्होंने नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले राष्ट्रीय समर स्मारक पर देश के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें रायसीना हिल्स के साउथ ब्लॉक के प्रांगण में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना प्रमुख के रूप में प्रभार संभालने से पहले अपनी मां रजनी त्रिपाठी का आशीर्वाद लिया। रीवा के सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी इससे पहले नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी का जन्म 15 मई 1964 को हुआ था और एक जुलाई 1985 में वह भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। उनका करीब 39 वर्ष का लंबा और उत्कृष्ट कॅरियर रहा है। उन्होंने भारतीय नौसैन्य जहाज 'विनाश', 'किर्च' और 'त्रिशूल' की कमान भी संभाली है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडकवासला के पूर्व छात्र एडमिरल त्रिपाठी को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और नौसेना पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट को ईडी दे जवाब.... केजरीवाल को चुनाव पूर्व क्यों गिरफ्तार किया?

नई दिल्ली। आम चुनाव से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल करते हुए जवाब पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंगलवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से समय के सवाल पर जवाब देने को कहा। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी से सवाल करते हुए कहा, कि जीवन और स्वतंत्रता बेहद महत्वपूर्ण हैं। आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही पीठ ने एसवी राजू से अनेक सवाल किए और जांच एजेंसी से केजरीवाल की उस याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख पर जवाब देने को कहा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी हुई है। इस मामले की सुनवाई अदालत में शुक्रवार को होने की संभावना जताई गई है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को ईडी ने पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बोली मुस्लिम युवती- साहब मुझे हिंदुओं जैसा संपत्ति का अधिकार चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सामने कई बार चौंकाने वाले मामले आते हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली खंडपीठ के सामने एक ऐसी अर्जी आई, जिसमें एक मुस्लिम युवती ने यह कहते हुए भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत संपत्ति बंटवारे का निर्देश देने की मांग की थी कि वह इस्लाम नहीं मानती है। महिला का तर्क था कि वह भले ही मुस्लिम परिवार में जन्मी है लेकिन उसकी आस्था अब इस्लाम धर्म में नहीं है। इसलिए उसकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा शरिया कानून के तहत ना होकर भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत करने का निर्देश दिया जाय।खंडपीठ में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी थे।

महिला के वकील के तर्कों को सुनने के बाद तीनों जजों की बेंच ने उस पर गहन विचार-विमर्श किया और इस नतीजे पर पहुंची कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इसके बाद सीजेआई ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में एमिकस क्यूरी बहाल करने का निर्देश दिया, जो अदालत को कानूनी और तकनीकी पहलुओं से परिचित करा सके। इस मामले की अगली सुनवाई अब जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित है।याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय उत्तराधिकार कानून मुस्लिम धर्म में जन्मे व्यक्तियों को धर्मनिरपेक्ष कानून का लाभ उठाने से रोकता है, भले ही वे शरीयत कानून की धारा 3 के तहत औपचारिक रूप से ये घोषणा करें कि वे अब इस्लामी कानून का पालन नहीं करना चाहते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय उत्तराधिकार कानून की धारा 58 में कहा गया है कि यह मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। भले ही आप शरिया अधिनियम के तहत घोषणा न करें, वसीयत आदि पर कोई धर्मनिरपेक्ष अधिनियम नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब आप शरियत भी नहीं मानेंगे तो फिर आप पर कौन सा नियम लागू होगा? यह एक अहम विषय है। इसके बाद सीजेआई ने इस पर एक कानूनी अधिकारी के नियुक्ति का आदेश दिया।

यह रिट याचिका केरल की एक महिला सफिया पीएम ने दायर की है। सफिया केरल में पूर्व-मुस्लिमों (जो मुस्लिम परिवार में जन्में लेकिन अब इस्लाम में आस्था नहीं रखते) का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ की महासचिव हैं। अपनी याचिका में सफिया ने एक डिक्लेरेशन दिया कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ से बंधे नहीं रहना चाहते हैं, उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष कानूनों, विशेष रूप से 1925 के भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत वसीयत और गैर वसीयत उत्तराधिकार के मामलों में अधिकार मिलना चाहिए। महिला ने तर्क दिया कि संविधान का अनुच्छेद 25 उसे किसी भी धर्म में आस्था रखने या न रखने की आजादी देता है। इसके साथ ही उनसे कहा कि उसके में पिता भी इस्लाम में आस्था नहीं रखते हैं इसलिए वह भी शरिया कानून के मुताबिक वसीयत नहीं लिखना चाहते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर आप इसकी घोषणा नहीं करते हैं, तो धारा 3 के तहत आप इस कानून के अधीन नहीं आएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, मैं महिला हूँ, और मेरे भाई को डाउन सिंड्रोम है, उसे 2/3 संपत्ति दी गई है तो क्या मुझे भी वसीयत नहीं की जा सकती है। मेरी एक बेटी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, इसकी हम घोषणा कैसे कर सकते हैं? सीजेआई ने कहा, आपके अधिकार या हक आस्तिक या नास्तिक होने से नहीं मिलते बल्कि ये अधिकार आपको आपके जन्म से मिले हैं। अगर मुसलमान के रूप में पैदा होते हैं,तो आप पर मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होगा। जहां तक आपके पिता का सवाल है तो वह भी धारा-3 से बाध्य हैं। जब तक वह भी घोषणा नहीं करते तब तक वह धारा- 2 से बंधे रहेंगे।

प्रशंसा करते हुए बाबा रामदेव को अगली सुनवाई के लिए पेशी से मिली छूट

-अखबार में छपे माफीनामे को दिखाया, सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई नरमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलोपैथी के खिलाफ पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई दौरान योगगुरु रामदेव की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट को बताया कि पतंजलि ने जो माफीनामा पेश किया था, उसे रजिस्ट्री में जमा करा दिया गया है। वकील ने अखबार में छपे माफीनामे को सुप्रीम कोर्ट में दिखाया। कोर्ट ने इस माफीनामे को देखने के बाद बाबा रामदेव के लिए अपना रुख नरम किया।

बाबा रामदेव की ओर से पेश हुए मुकुल रोहतगी ने जब सुप्रीम कोर्ट में अखबार में छपे माफीनामे की जानकारी दी तो सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-आपने ओरिजनल रिकॉर्ड क्यों नहीं दिए, आपने ई फाइलिंग क्यों की? यह कन्फ्यूजिंग है और हम हाथ खड़े कर रहे हैं। इस पर बाबा रामदेव के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि हो सकता है कि मेरी अज्ञानता की वजह से ऐसा हुआ हो। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछली बार जो माफीनामा छपा था, वो छोटा था और उसमें केवल पतंजलि लिखा था, लेकिन दूसरा बड़ा है। इसके लिए हम प्रशंसा करते हैं कि रामदेव बात समझ में आ गई है। सुनवाई के दौरान ही मुकुल रोहतगी ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रमुख के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने पतंजलि के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की थी। रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि आखिर आईएमए चीफ ने क्या कहा था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि आईएमए के अध्यक्ष का बयान रिकॉर्ड पर लाया जाए। ये बेहद गंभीर मामला है, इसका परिणाम भुगतने के लिए वे तैयार हो जाएं। इसके बाद रोहतगी ने अगली सुनवाई में रामदेव और बालकृष्ण के पेशी से छूट मांगी तो इस पर कोर्ट ने कहा ठीक है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि केवल अगली सुनवाई के लिए ही पेशी से छूट दी गई है।

बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का ऑफर ठुकराया

-बोले-लड़ाई नीतियों के बीच होनी चाहिए, व्यक्तित्व के बीच नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के अमेठी और रायबरेली से कांग्रेस राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। वहीं बीजेपी इन राहुल और प्रियंका को कैसे मात दिया जाए इसकी योजना बनाने में जुटी गई है। बीजेपी ने अपने पहली ही लिस्ट में अमेठी से स्मृति इरानी को मैदान में उतार दिया है, लेकिन रायबरेली में उसकी तलाश अब भी जारी है। वहीं सूत्रों से पता चला है कि पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी को रायबरेली से अपने ही बांधी परिवार के खिलाफ दो-दो हाथ करने का ऑफर मिला लेकिन वरुण ने इसे तुरंत ठुकरा दिया। यह भी कहा जा रहा है कि वरुण गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा जाहिर नहीं की और बीजेपी के आला नेताओं को भी इसकी जानकारी दे दी है। सूत्रों के अनुसार कहा जाता है कि रायबरेली से वरुण गांधी को चुनाव में उतारे जाने को लेकर हुए मंथन के पीछे बीजेपी के आंतरिक सर्वे से निकले संकेतों की अहम भूमिका रही। सर्वे में बीजेपी ने प्रियंका के सामने उत्तरप्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री से लेकर वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती समेत करीब आधे दर्जन से ज्यादा चेहरों को लेकर रायशुमारी की है।

पीएम मोदी के भाषण पर चुनाव आयोग ने दिया नोटिस, भाजपा ने जवाब के लिए मांगा समय

-बांसवाड़ा के भाषण में लगा विवादास्पद बयान का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के बांसवाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा को संबाधित किया था। इस दौरान उनके भाषण पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया और नोटिस भेज दिया। नोटिस का जवाब 29 अप्रैल तक देना था। जवाब में हो रहे बिलंब के चलते भाजपा ने चुनाव आयोग समय मांगा है। राजस्थान के बांसवाड़ा में चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादास्पद टिप्पणी करने का आरोप लगा। इसे लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को ईसी ने नोटिस भेज दिया। आयोग ने बीते 25 अप्रैल को यह नोटिस जारी किया था और उनसे 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी सूत्रों ने बताया कि पार्टी की ओर से जवाब तैयार किया जा रहा है, जिसमें यह बताया जाएगा कि पीएम मोदी ने तथ्यों के आधार पर बात की। ऐसा पहली बार है जब किसी प्रधानमंत्री की ओर से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जवाब देने के लिए कहा गया।

दूसरी ओर बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। यह आरोप लगाया कि उसने चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो शेयर किया। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी ने टीएमसी के खिलाफ भी शिकायत की। यह आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी हिंसा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग भी की। आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद वैष्णव ने कहा, 'कांग्रेस फर्जी वीडियो के जरिए पूरी चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतारना चाहती है। हमने आज इसके खिलाफ निर्वाचन आयोग से शिकायत की। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से फर्जी वीडियो पोस्ट कर लोगों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश की है।'

बिहार से लोकतंत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी ना के बराबर...भाजपा और कांग्रेस ने किसी महिला प्रत्याशी को नहीं दिया टिकट

-लालू ने 6 महिला शक्ति को मैदान में उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला सशक्तीकरण की मिसाल से भरी माता जानकी की भूमि मिथिला में महिलाओं को लोकतंत्र में वह हिस्सेदारी नहीं मिल सकी, जो संविधान ने उन्हें दी है। बिहार में अबतक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए और महज 34 महिला ही सदन पहुंचने में सफल हुई है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करने वाले राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं की इस बार कोई सुध नहीं ली और टिकट बंटवारे के समय चुप्पी साध ली। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए। बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों में तालमेल के तहत शिवहर सीट जदयू को मिली है। जदयू ने शिवहर सीट से पूर्व सांसद लवली आनंद को उतारा है।महिला आरक्षण बिल या नारी शक्ति वंदन विधेयक पास कराने वाले एनडीए ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया है। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

राजग के घटक दल जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट दिया है। वहीं लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने किसी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है। कुल मिलाकर राजग ने चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को टिकट दिया है। जबकि इंडिया गठबंधन ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया है।

राजद ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली है। गैया बकरी चरती जाए, मुनिया बेटी पढ़ती जाए। नारा देने वाले राजद सुप्रीमो लालू ने सर्वाधिक छह महिलाओं को मैदान में उतारा है। इसमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य, बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को छोड़ अन्य पांच महिला शक्ति पहली बार लोकसभा के रण मे अपनी तकदीर आजमा रही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने किसी महिला शक्ति को मौका नहीं दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामदल ने भी किसी महिला को चुनाव में नहीं जगह दी है। वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी

(माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) से कोई महिला चुनावी मैदान में नही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने भी इस चुनाव में महिला शक्ति की उपेक्षा की और किसी महिला को मौका नहीं दिया। फिलहाल लोकसभा में बिहार की तीन महिला सांसद हैं, जो महज 7.5 फीसद भागीदारी हैं। यदि महिला आरक्षण लागू हुआ तो बिहार से कम से कम 13 महिला लोकसभा पहुंचेंगी।

हैती में व्यवस्था बहाल करने अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होगा बांग्लादेश

जेनेवा। हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित देश के कई हिस्सों में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैलाए हुए हैं। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। हैती में व्यवस्था बहाल करने में मदद के लिए बांग्लादेश भी अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी देते बताया कि बांग्लादेश उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखा है कि वे हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता मिशन (एमएसएसएम) में अपना योगदान देना चाहते हैं। सुरक्षा परिषद ने हैती में स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए एमएसएसएम मिशन का गठन किया है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र रूप में कार्य करेगा। केन्या के नेतृत्व वाली सेना में बहामास, बारबाडोस, बेनिन, चाड और जमैका शामिल हैं। गौरतलब है कि हैती में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैला रहे हैं। इससे हजारों लोगों की जान जा चुकी है। 1.4 मिलियन लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है और चार मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में हैती के पीएम एरियल हेनरी देश छोड़कर अमेरिका भाग गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिका में निर्वासन के दौरान इस्तीफा दे दिया। 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज़ की हत्या कर दी गई थी।

कोलंबियाई सेना का हेलीकॉप्टर क्रैस, 9 सैनिकों की मौत

बोगोटा। उत्तरी कोलंबिया में सैनिकों को आपूर्ति करके लौटते समय सेना का एक हेलीकॉप्टर क्रैस हो गया जिससे उसमें सवार 9 सैनिकों की मौत हो गई। कोलंबिया की राष्ट्रीय सेना ने यह जानकारी दी। सेना के बयानों में कहा गया कि दोपहर के समय हेलीकॉप्टर का बेस से संपर्क टूट गया और बाद में पता चला कि वह बोलिवर विभाग के सांता रोजा नगर पालिका के पास क्रैस हो गया। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोशल मीडिया पर इस त्रासदी पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि ये सैनिक खाड़ी कबीले के खिलाफ अभियान चला रहे थे। खाड़ी कबीले को कोलंबिया में मादक पदार्थों की तस्करी और एक आपराधिक गिरोह के रूप में जाना जाता है।

लंदन में तलवार से हमला करने वाला शख्स गिरफ्तार, 2 पुलिस अधिकारी हुए जख्मी

लंदन। लंदन के पूर्व में स्थित हैनॉल्ट में एक शख्स ने तलवार से कई लोगों पर हमला करते हुए हंगामा किया। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को तलवार सहित गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में पुलिस के दो अधिकारी भी घायल हो गए। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि तलवार लिए शख्स के हमले में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 7:00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक वाहन, एक घर में जा घुसा है और इसी के साथ यह भी सूचना मिली कि लोगों को चाकू से मारा गया है। पुलिस ने बताया कि समझा जा रहा है कि संदिग्ध व्यक्ति ने आम लोगों और दो पुलिस अधिकारियों पर हमला किया था। ग्रेटर लंदन के 620 वर्ग मील क्षेत्र की निगरानी करने वाली मेट्रोपोलिटन पुलिस (मेट) का कहना है कि 36 वर्षीय एक संदिग्ध व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया गया है। अनेक लोगों पर हमला करने वाले शख्स को तलवार के साथ ही गिरफ्तार किया गया है। घटना और आरोपी के संबंध में उप सहायक आयुक्त एडे एडेलेकन का कहना था कि उक्त घटना का संबंध आतंकी घटना से नहीं हो सकता है। ऐसे में और अधिक संदिग्धों की तलाशी नहीं की जा रही है।

दुबई में बनेगा सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, 260 मिलियन यात्रियों की होगी क्षमता, - 400 टर्मिनल गेट और 5 रनवे होंगे, लोगों को मिलेगी कई सुविधाएं

दुबई। दुबई के राजा शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम ने अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में 128 बिलियन एईडी के एक नए यात्री टर्मिनल को मंजूरी दे दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ सालों में अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 260 मिलियन यात्रियों की क्षमता के साथ दुनिया में सबसे बड़ा यात्री टर्मिनल होगा और दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच गुना बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि दुबई हवाई अड्डे से हो रहे सभी परिचालन अल मकतूम में स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, अल मकतूम हवाई अड्डे में 400 टर्मिनल गेट और पांच रनवे बनाए जाएंगे। दुबई की सरकारी एयरलाइन एमिरेट्स के अध्यक्ष शेख अहमद बिन सईद अल-मकतूम ने कहा कि यह हवाई अड्डा प्रमुख वाहक एमिरेट्स और उसकी बहन कम लागत वाली एयरलाइन फ्लाईदुबई के साथ-साथ दुनिया को दुबई से जोड़ने वाले सभी एयरलाइन भागीदारों का नया घर होगा। दुबई मीडिया ने दुबई एयरपोर्ट्स के सीईओ के हवाले से कहा, यह कदम विश्व मंच पर अग्रणी विमानन केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को और मजबूत करता है।

कई सालों से आग में झुलस रहा अमेरिका का सेंट्रलिया शहर, जमीन के अंदर लगातार जल रही है खदानें

न्यूयार्क। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का यह खौफनाक शहर सेंट्रलिया दशकों से जमीन के नीचे की आग की चपेट में है। आज इसकी आबादी केवल 5 लोगों की रह गई है। 1962 में सेंट्रिलिया की खदान में आग लग गई थी जिसने आज तक थमने का नाम नहीं लिया है और अब पूरा का पूरा बसाया बसाया शहर जमीन के अंदर लगी आग के धुएं से तबाह हो चुका है।

1920 के दशक में सेंट्रलिया दुकानों से भरा एक हलचल भरा शहर हुआ करता था, जिसके निवासी बढ़ते खनन उद्योग से लाभान्वित होते थे। जैसे-जैसे इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती गई, इसके 1,200 निवासी स्थानीय खदानों से प्राप्त कोयले पर खुशी से जीवन व्यतीत करने लगे।पर आज यह शहर पूरी तरह से वीरान है, इसकी अधिकांश इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। यह सब एक खदान में लगी आग से शुरू हुआ जो 1962 में शुरू हुई और 50 साल से अधिक समय बाद भी जल रही है, जिसके धुएं से शहर पूरी तरह से तबाह हो गया। पिछली अमेरिकी जनगणना के अनुसार शहर की आबादी अब घटकर केवल 5 लोगों की रह गई है, जो अब धुएं वाले इलाके के करीब रहते हैं। मई 1962 में, सेंट्रलिया की नगर परिषद ने कथित तौर पर प्रस्तावित किया कि स्थानीय लैंडफिल को बाद में गर्मियों में मेमोरियल डे उत्सव के लिए समय पर साफ किया जाना चाहिए।

गाजा के खराब हालातों पर एक बैठक में बात करते हुए सउदी और अमेरिकी अधिकारी।

चीन का रक्षा बजट भारत से नौ गुना ज्यादा, निशाने पर अमेरिका

बीजिंग। युद्धाभ्यास कर अपने पड़ोसी देशों को डराने में जुटा चीन अपनी सेना पर जरुरत से ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। इससे उसका रक्षा बजट पहाड़ जैसा हो गया है। चीन का रक्षा बजट अमेरिका के बराबर हो गया है। अमेरिकी की एक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि चीन का 2022 में रक्षा बजट 710 अरब डॉलर था। इससे पहले चीन ने दावा किया है कि उसका रक्षा बजट 229 अरब डॉलर है। वहीं अमेरिका की बात करें तो उसने 2022 में सेना पर 742 अरब डॉलर खर्च किए थे। अगर भारत की बात करें तो यह करीब 81 अरब डॉलर था जो चीन से लगभग 9 गुना कम है। रिपोर्ट में कहा कि चीन सैन्य बजट का गलत आंकड़ा सार्वजनिक करता है और यह नहीं बताता है कि वह सैन्य तैयारी पर कितना खर्च किया । चीन एयरक्राफ्ट कैरियर से लेकर अत्याधुनिक बॉम्बर बना रहा है। चीन के निशाने पर अमेरिका है जो सबसे ज्यादा सेना पर खर्च करता है। यह आंकड़ा साल 2022 के चीन के सैन्य बजट को लेकर निकाला गया है जो 711 अरब डॉलर था। यह उस साल अमेरिका के बजट से लगभग बराबर है। अमेरिका एक वैश्विक सुपर पावर है और उसे चीन के गढ़ हिंद प्रशांत क्षेत्र से लेकर मध्य पूर्व तक बिखरी अपनी सेना पर खर्च करना पड़ता है। यही नहीं यूरोप में रूस के खिलाफ नाटो देशों की मदद के लिए अमेरिका सेना तैनात किए हुए है। इससे अमेरिकी रक्षा बजट बंट जाता है। वहीं चीन का पूरा फोकस एशिया पर है और वह अपनी सेना पर खर्च कर रहा है ताकि युद्धक तैयारी को बढ़ाया जा सके। अमेरिकी खुफिया समुदाय का अनुमान है कि चीन का सालाना रक्षा बजट 700 अरब डॉलर है। उसने चीन से रक्षा बजट में पारदर्शिता बरतने की मांग की है। पेंटागन ने माना है कि चीन तेजी से चुनौती बनता जा रहा है। चीन का यह रक्षा बजट चिंता का विषय है।

जिसने बनाई पहली कोरोना वैक्सीन, उस साइंटिस्ट को भ्रष्टाचारी बता चीनी संसद से निष्कासित किया गया

बीजिंग (एजेंसी)। साल 2020 में कोरोना महामारी के दौरान पहला कोविड-19 वैक्सीन बनाने वाले चीन के टॉप साइंटिस्ट को कथित भ्रष्टाचार के लिए संसद से बर्खास्त कर दिया गया है। नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि यांग जियाओमिंग को कथित अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए विधायिका के एक प्रतिनिधि के रूप में उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया था। 62 वर्षीय यांग एक अनुभवी शोधकर्ता और सिनोफार्म के वैक्सीन डिवीजन, चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष हैं। उन्होंने सिनोफार्म के बीबीआईबीपी-कोरवी वैक्सीन के विकास का निरीक्षण किया।

ये चीन में व्यापक उपयोग के लिए अधिकृत पहला कोरोनो वायरस वैक्सीन था। एनपीसी ने अपनी

स्थायी समिति की चार दिवसीय बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा कि यांग पहले से ही पार्टी के अनुशासनात्मक प्राधिकरण, केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग द्वारा जांच के अधीन है। यांग की बर्खास्तगी चीन की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर सबसे बड़ी कार्रवाई के बीच हुई है, जो पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू किए गए व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का विस्तार है।

चीन द्वारा निर्यात किए गए दो सबसे लोकप्रिय कोविड-19 टीकाकरण सिनोफार्म शॉट और सिनोवैक बायोटेक के कोरोनावैक थे। यांग को चीन की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर सबसे बड़ी कार्रवाई के बीच निकाल दिया गया था, जो एक बड़े भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है जिसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2012 के अंत में शुरू किया था। कार्रवाई का लक्ष्य रिश्वतखोरी से ग्रस्त प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार को खत्म करना है। पिछले साल से कई अस्पताल निदेशकों को जेल में डाल दिया गया है, और यह दवा निगमों, बीमा फंडों और अस्पतालों को निशाना बनाता है। सिनोफार्म के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के उप महाप्रबंधक झोउबिन की जनवरी में सीसीडीआई द्वारा जांच की गई थी।

पन्नू की हत्या की साजिश वाली रिपोर्ट पर भारत सख्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को अमेरिका में सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून की कथित हत्या की साजिश पर एक रिपोर्ट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने रिपोर्ट को अनुचित और अप्रमाणित बताते हुए कहा, अमेरिकी सरकार द्वारा साझा की गई सुरक्षा चिंताओं को देखने के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की जांच चल रही है। संगठित अपराधियों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के नेटवर्क पर अटकलें और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां मददगार नहीं हैं।

वहीं कैरीन ज्यां-पियरे ने आगे कहा कि भारत, अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और ''हम कई क्षेत्रों में अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।' पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर खोजी रिपोर्ट के बारे में ज्यां-पियरे ने कहा, ''हमने इस पर लगातार चर्चा की है और कई बार अपनी बात रखी है, चाहे यहां प्रधानमंत्री के साथ बैठक में हो या विदेश में किसी बैठक में हो।'' उन्होंने कहा, ''यह गंभीर मामला है और हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। भारत सरकार ने हमसे बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं और इसकी जांच कराएंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम जांच के आधार पर सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं। लेकिन हम अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे। यह रुकने वाला नहीं है। हम सीधा भारत सरकार के समक्ष अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।'' बता दें कि अमेरिका में पन्नू को मारने की कथित साजिश पिछले साल जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून को हुई घातक गोलीबारी के साथ मेल खाती है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों के अनुसार वह अभियान भी यादव से जुड़ा था। खबर में यह भी कहा गया है कि हत्या की दोनों साजिश पाकिस्तान में हिंसा बढ़ने के बीच रची गयी जहां निर्वासन में रह रहे और भारत सरकार द्वारा आतंकवादी करार दिए गए कम से कम 11 सिख या कश्मीरी अलगाववादियों की पिछले दो साल में हत्या कर दी गयी है। पन्नू मामले में अमेरिका द्वारा लगाए आरोपों की जांच के बारे में पूछे जाने पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पिछले सप्ताह कहा था ''हमने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति अमेरिका द्वारा हमसे साझा की गयी सूचना पर गौर कर रही है क्योंकि इसका हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी समान रूप से प्रभाव पड़ता है।

फिर फटा माउंट रुआंग ज्वालामुखी, आसमान में फैला गुबार और गांवों में बिखरा मलबा

मानादो (इंडोनेशिया) (एजेंसी)। इंडोनेशिया का माउंट रुआंग ज्वालामुखी दो सप्ताह के भीतर दूसरी बार मंगलवार को फिर से फट गया, जिससे करीब दो किलोमीटर दूर तक आसमान में गुबार फैल गया और एक हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा। ज्वालामुखी फटने की वजह से उसका मलबा आस-पास के गांवों में फैल गया। इंडोनेशियाई भूवैज्ञानिक सेवा ने ज्वालामुखी फटने का संकेत मिलने के बाद सुलावेसी द्वीप पर चेतावनी जारी की थी और आस-पास के गांवों में रहने वाले लोगों और पर्वतारोहियों से ज्वालामुखी से कम से कम छह किलोमीटर दूर रहने का आग्रह किया था।

उत्तरी सुलावेसी प्रांत में 725 मीटर (2,378 फुट) ऊंचा ज्वालामुखी प्रांत की राजधानी मानादो में सैम रतुलंगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 95 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित है। क्षेत्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के प्रमुख अम्बाप सुरयोको ने बताया कम दृश्यता और राख की वजह से विमानों के इंजन को कोई खतरा न हो, इसलिए हवाई अड्डे को मंगलवार को सुबह बंद कर दिया गया था। मानादो सहित क्षेत्र भर के कस्बों और शहरों में आसमान से राख, कंकड़ और पत्थर गिरते हुए दिखाई दिये। इतना ही नहीं, वाहन चालकों को दिन के वक्त भी अपनी गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मानादो में 430,000 से ज्यादा लोग रहते हैं।

ईरान ने बनाया नया आत्मघाती ड्रोन, अमेरिका-इजराइल को दे रहा टक्कर

- कड़े प्रतिबंधों के बावजूद यूएवी की उत्पादन क्षमता का कर रहा विस्तार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल तनाव के बीच ईरान ने एक नया आत्मघाती ड्रोन बनाया है। ईरान ने हाल के सालों में कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद मानव रहित हवाई वाहनों की अपनी उत्पादन लाइन का आक्रामक रूप से विस्तार किया है। जानकारी के अनुसार ईरान ने स्वदेशी ड्रोनों के अपने तेजी से बढ़ते शस्त्रागार को मजबूत करते हुए ये नया हथियार बनाया है। ईरानी सेना ने रूसी लैंसेट ड्रोन पर आधारित एक आत्मघाती ड्रोन बनाया है, जिसे एंटी एंबुस अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। ईरान ने कुछ सालों में कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार किया है। अपने इन आत्मघाती ड्रोन की वजह से ही ईरान इजरायल जैसी बड़ी ताकत के साथ दो-दो हाथ कर रहा है तो वहीं रूस को भी ईरान की मदद कर रहा है। ईरान ने सीरिया में अपने वाणिज्य दूतावास पर बमबारी के बाद इजरायल पर 350 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। हमले में ईरान में बनी हुई शहीद-136 और शहीद-131 कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 के बाद से ईरान के अपेक्षाकृत सस्ते लेकिन घातक शहीद ड्रोन युद्ध के मैदान में तबाही मचा रहे हैं। ईरान अपनी लंबी दूरी की ड्रोन तकनीक से हमास, हिज्बुल्ला और हूती विद्रोहियों की भी मदद कर रहा है। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी ने 2019 में ईरान की सैन्य ताकत का आकलन करते हुए कहा था कि यूएवी ईरान की सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली हवाई क्षमता है।

इजरायली सेना ने क्रूरता की हदें पार कीं, यह मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन: अमेरिका

- नेतन्याहू समेत कई अधिकारियों के खिलाफ जारी हो सकता है गिरफ्तारी वारंट

वाशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में इजराइल-हमास युद्ध में इजराइली सेना ने गाजा में निर्दोष लोगों का कत्लेआम किया जिससे पूरी दुनिया में इजराइल का विरोध किया जा रहा है और पूरी दुनिया उसके खिलाफ है। वहीं अब अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई उच्च इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। वहीं इजराइल के खास दोस्त अमेरिका ने कहा है कि इजरायल की सेना क्रूरता की हदें पार की हैं। यह मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पत्रकारों को जानकारी दी कि पिछले साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने से पहले हुई घटनाओं में इजराइल ने मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन किया है। जिसके लिए इजरायली सेना की पांच

बटालियन जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि चार इकाइयों ने तो उल्लंघनों को प्रभावी ढंग से सुधार कर लिया है, लेकिन अब इजरायल की पांचवीं इकाई के बारे में नई जानकारी सामने आई है और अमेरिका सरकार के साथ बातचीत जारी रख रहा है।

पटेल ने यह भी साफ किया कि इजरायली बलों को लेकर आई शिकायतों के बावजूद अमेरिकी हथियारों की बिक्री प्रभावित नहीं होगी और हम इजरायल को हथियारों की सप्लाई जारी रखेंगे। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका ने इजरायल की एक बटालियन नेत्ज़ाह येहुदा को बैन करने की बात कही थी। इस बटालियन पर राफा शहर में निर्दोष फिलिस्तीनियों के खिलाफ घोर अत्याचार की शिकायतें मिली थी। पटेल ने आगे कहा कि हमने पांच इजरायली बटालियानों को मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन के लिए जिम्मेदार पाया है।

गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच पिछले साल 7 अक्टूबर से शुरू हुए युद्ध में हजारों फिलिस्तीनी लोग मारे जा चुके हैं। पहले हमास ने इजरायल पर हमल करके 1200 लोगों को मार डाला था और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। अभी भी हमास की कैद में 100 से ज्यादा इजरायली कैद में हैं। उधर, जवाबी कार्रवाई और अपने लोगों को वापस लाने के लिए इजरायली सेना गाजा और राफा में ऑपरेशन चला रही है। इसमें 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। जिनमें ज्यादा बच्चे और महिलाएं हैं। इसको लेकर पूरी दुनिया में इजराइल विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं।

फिर छलका पाक का दर्द: बोला- भारत महाशक्ति बन रहा है और हम भीख मांग रहे हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। गरीबी,भुखमरी और आतंकवाद के लिए खुद की पहचान बना चुके पाकिस्तान का दर्द एक बार फिर छलका है। दरअसल पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के एक सांसद ने भारत की तारीफ करते हुए अपने ही देश की बुरी गत का जिक्र कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बयान दिया कि एक तरफ भारत है जो लगातार महाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है, दूसरी तरफ हम हैं जो दिवालिया होने से बचने के लिए दूसरे देशों से भीख मांग रहे हैं। रहमान ने शहबाज शरीफ पर निशाना भी साधा। आरोप लगाया कि पाकिस्तान में सरकारें महलों में बनती हैं। पर्दे के पीछे के कुछ लोग फैसले ले रहे हैं और हम सिर्फ कठपुतली बने हुए हैं।

सांसद अब खुलेआम पीएम शहबाज शरीफ को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। नेशनल असेंबली पर अपने भाषण में मौलाना फजलुर रहमान का शहबाज पर जमकर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है और हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है? रिपोर्ट के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने देश की निर्वाचित सरकार को महज उनकी कठपुतली बताया। साथ ही दावा किया कि हमारी दीवारों के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे ही सारे निर्णय ले रहे हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं।रहमान ने संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए संविधान के सिद्धांतों को त्यागने और लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे? कब तक हम विधायक चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे।

दरअसल, 2024 के संसदीय चुनाव के बाद पाकिस्तान में नई सरकार का गठन तो हो गया लेकिन, हालात अभी भी नहीं सुधरे हैं। जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ एक बार फिर पीएम की कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं। तमाम वादों के बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक दुर्दशा में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया। शहबाज शरीफ लगातार दूसरे देशों में जाकर आर्थिक मदद ला रहे हैं, जिसके दम पर सरकार चल रही है। हालत ये हो गई है कि अब सांसदों ने भी शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रहमान ने 2018 और 2024 दोनों समय लोकसभा चुनावों में हुई धांधली की निंदा की और कथित

तौर पर नकली प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की निंदा की। रहमान ने दावा किया कि देशवासी असुरक्षा से ग्रस्त हैं और इसके प्रति हमारी सरकार को होश में आने की जरूरत है।

आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

मजदूर दिवस पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम है सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मजदूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।

गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ह्यकाम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

दोहराइए आरक्षण रहेगा

आरक्षण एक बार फिर चुनाव मैदान में है। अंतर केवल इतना है कि अबकी इसे लालू प्रसाद ने नहीं, कांग्रेस ने लाया है। इसके नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को आरक्षण मिटाने वाला गैंग कह रहे हैं। इससे भाजपा आत्मरक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। उसे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिली चोट ताजा हो गई है। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव-बीच आरक्षण की समीक्षा की बात कर चौंका दिया था। यद्यपि संविधान में इसका जिक्र है कि 15 साल बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और उस आधार पर हटाया भी जा सकता है, लेकिन संसद सर्वसम्मत से इसे आगे बढ़ाती रही है। यह मान लिया गया है कि भारतीय समाज इस उन्नत दशा में नहीं पहुंचा है कि आरक्षण की समीक्षा की जाए। इसे ध्यान में रखकर ही भागवत के बयान पर सफाई दी गई और दिलाई भी गई। पर राजद नेता लालू प्रसाद ने बड़ी कुशलता से मतदाताओं का रुख बदल दिया था। भाजपा बिहार में कमांडर होते-होते रह गई थी। इस बार भी कांग्रेस के प्रचार से ऐसे परिणाम के आसार नजर आ रहे हैं। जब 2024 के चुनाव में, नरेन्द्र मोदी की भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया तो विपक्ष ने, इतनी सीटों को संविधान बदलने, लोकतंत्र नष्ट करने के उसकी 'हवस' से जोड़ दिया। इसमें भाजपा के कुछेक अदूरदर्शी नेताओं के बयान-भाषणों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। आरक्षण पर आरएसएस का शुरू से ही एक रिजर्वेशन रहा है। इसलिए जब भी ऐसी चर्चा होती है, संघ के स्थापना काल का नजरिया सामने आ जाता है। भागवत इससे इनकार करते हैं। यह सच है कि मोदी का मौजूदा मंत्रिमंडल आरक्षण के व्यवहारतः निर्वाह का सुंदर प्रमाण है। यह स्वतंत्र भारत का ऐसा पहला मंत्रिमंडल है। खुद मोदी ओबीसी हैं। फिर भारतीय राजनीतिक चेतना के मौजूदा स्तर को देखते हुए संविधान, चुनाव या लोकतंत्र तथा आरक्षण को खारिज करने की किसी दल की हिमाकत, उसकी सियासी खुदकुशी होगी। इसके लिए कौन दल तैयार होगा? आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र सब रहेगा। यह बिल्कुल प्रचार के लिए प्रचार की बात है। इसमें वह कांग्रेस अपरहैंड है। भाजपा सफाई तो दे रही है पर इसका प्रतिकारी विमर्श कम बना रही है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो, उसके विज्ञापन एवं उसके नेताओं के मुद्दे भाजपा के लिए एक छटपटाहट पैदा करते हैं। एक दशक धुआंधार कार्यक्रम चलाने वाली सत्ताधारी पार्टी के पास विपक्ष को घेरने के मुद्दे में टटकापन नहीं है।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

सोशल मीडिया पर आए दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रूम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्स ऐप या इसी तरह के किसी दूसरे ऐप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वो ही आएगा जो अधिक ग्लैमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चैटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे।

इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों-बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही है वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशियल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बैन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, ऐप आदि पर रोक लगाने के लाख दावे किए जाते हों पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक-दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चे को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टैबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक-दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चे, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सैल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेश लड़कों और लड़कियों दोनों में ही समान रूप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किए गए एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दोराय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्ट फोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टैब, कम्प्यूटर, सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चे को भी यह जानकारियां होने लगी हैं। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है। आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशियल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशियल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीडी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाए तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफैक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चे को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दोचार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना-बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा-मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना-खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही हैं। ऐसे में मोबाइल या सोशियल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

रेडिमेड खाना : गुणवत्ता की गारंटी भी जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता। हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकड़कर चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है।

वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकर्षण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदर्शनी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए। क्या आम दावतों, पार्टीयों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टोरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है।

आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सड़क खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सड़कों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।

तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके।

इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढ़ने से पहले ही नियंतण्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिडेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनमी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनमी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

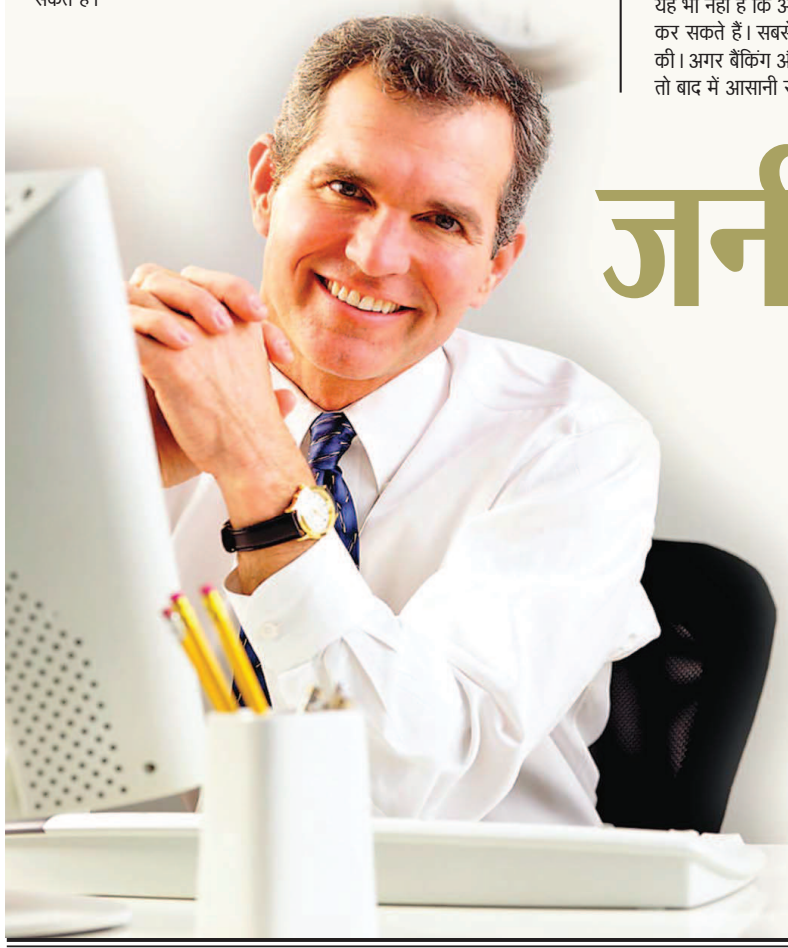

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है। दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने दिया इस्तीफा

- 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की हो सकती है छंटनी

नई दिल्ली । ऑनलाइन कैब बुकिंग उपलब्ध कराने वाली कंपनी ओला मोबिलिटी के सीईओ हेमंत बख्शी ने नियुक्ति के चार महीने के भीतर ही इस्तीफा दे दिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि कंपनी 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। एक सूत्र ने कहा` कि हेमंत बख्शी ने तत्काल प्रभाव से कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। ओला कैब्स इकाई 10-15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। बख्शी जनवरी, 2024 में कंपनी में शामिल हुए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कंपनी के ओला कैब्स डिवीजन में जनवरी में करीब 900 लोग थे और छंटनी से 90-140 लोग प्रभावित हो सकते हैं। संपर्क करने पर ओला ने इस सूचना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ओला मोबिलिटी ने वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा कम होकर 1,082.56 करोड़ रुपये होने की सूचना दी थी। वित्त वर्ष 2021-22 में उसे 3,082.42 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। ओला मोबिलिटी की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज का कुल संचित घाटा समूह स्तर पर बढ़कर 20,223.45 करोड़ रुपये पहुंच गया और एकल आधार पर यह 31 मार्च, 2023 तक 19,649.27 करोड़ रुपये रहा। जनवरी 2024 तक कंपनी को कुल 31,441 करोड़ रुपये का वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

टीईसी का भारत में राजस्व 2023 में बढ़कर 475 करोड़

नई दिल्ली । हांगकांग स्थित सह-कार्यकारी कंपनी द एक्जीक्यूटिव सेंटर (टीईसी) का पिछले वित्त वर्ष में भारत में राजस्व 31 प्रतिशत बढ़कर 475 करोड़ रुपये रहा। टीईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2023 में भारत के कारोबार से हमारा राजस्व 475 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि है। भारत के कारोबार से कर पूर्व आय 2023 में करीब 35 प्रतिशत बढ़कर 159 करोड़ रुपये रही। भारतीय बाजार ने वैश्विक राजस्व में करीब 18 प्रतिशत और वैश्विक समायोजित कर पूर्व आय में 26 प्रतिशत का योगदान दिया। टीईसी अग्रणी प्रीमियम कार्यस्थल प्रदाताओं में से एक है। यह 15 देशों में उपस्थित है। इसके भारत में 40 सह-कार्य केंद्र हैं, जिनमें करीब 13,000 कार्यस्थल और 12 लाख वर्ग फुट क्षेत्र शामिल हैं।टीईसी इंडिया सात प्रमुख शहरों दिल्ली, गुरुग्राम, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई में उपस्थित है।

जेएनके इंडिया के शेयर 50 प्रतिशत बढ़कर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली । हीटिंग उपकरण बनाने वाली कंपनी जेएनके इंडिया के शेयर अपने निर्गम मूल्य 415 रुपये से करीब 50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 49.39 प्रतिशत चढ़कर 620 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में यह 71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 709.85 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 49.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 621 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,732.16 करोड़ रुपये रहा। जेएनके इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 28.07 गुना अभिदान मिला। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के ताजा निर्गम के अलावा प्रवर्तक तथा एक मौजूदा शेयरधारक की 84,21,052 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल थी। आईपीओ का मूल्य दायरा 395-415 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से मिली आय का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।जेएनके इंडिया थर्मल डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, स्थापना और हीटिंग उपकरणों के कारोबार में है।

स्ट्रेटेजिक-क्रिटिकल मिनरल्स एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की बढ़ेगी भागीदारी

जयपुर ।

स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिए निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाएगी। भारत सरकार के माइंस मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नए सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल व अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों व उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है।

इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर्स आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आएगी।

देश में रेयर अर्थ एलिमेंट्स, पोटाश, लिथियम, टंगस्टन, केडमियम, कोबाल्ट, कॉपर, ग्रेफाइट, टिटेनियम, बेरेलियम, सिल्वर, जिंक, गोल्ड, लेड जैसे 29 तरह के क्रिटिकल, स्ट्रेटेजिक व अन्य मिनरल्स की देश दुनिया में काफी मांग होने के साथ ही अत्यधिक श्रमव समय साध्य होने व सरकारी प्रक्रिया की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने पहला निर्णय इन मिनरल्स के वैज्ञानिक व वैश्विक स्तरीय एक्सप्लोरेशन के लिए ईएल यानी की एक्सप्लोरेशन लाइसेंस की ई नीलामी का निर्णय किया गया।

पहले चरण में राजस्थान सहित कुछ प्रदेशों द्वारा ईएल नीलामी प्रक्रिया आरंभ की गई। अब केन्द्र सरकार एक्सप्लोरेशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का निर्णय करने जा रही है।

आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को सीएफओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया ने अजीम सैयद को कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा कि वह एक मई 2024 से कार्यभार संभालेंगे। अपनी नई भूमिका में वह भारत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका क्षेत्र में वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ाने और परिचालन दक्षता को सक्षम करने के लिए कार्यकारी दल के साथ मिलकर काम करेंगे। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रमोद सागर ने कहा कि हम अजीम का मुख्य वित्तीय अधिकारी और मुख्य निवेशक संबंध अधिकारी के रूप में हमारे नेतृत्व दल में स्वागत करते हैं, उनका विशाल अनुभव तथा विशेषज्ञता हमारी वित्तीय रणनीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्षेत्र में बाजार अग्रणी के रूप में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करेगी। विएना स्थित आरएचआई मैगनेसिटा की अनुषंगी कंपनी आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया लिमिटेड इस्पात, सीमेंट, अलौह धातुओं और कांच सहित प्रमुख उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उच्च श्रेणी के रिफ्रैक्टरी उत्पादों की आपूर्तिकर्ता है।

स्मॉलकैप में 5 महीने में सबसे ज्यादा तेजी

- बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

निफ्टी स्मॉलकैप 100 लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा और इस महीने इसमें 11.4 फीसदी की तेजी आ चुकी है। नवंबर 2023 के बाद सूचकांक में एक महीने में यह सबसे बड़ी तेजी देखी गई है। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक भी लगातार छह सत्रों में तेजी के साथ अप्रैल में करीब 6 फीसदी बढ़त में रहा। दिसंबर के बाद मिडकैप सूचकांक का किसी भी महीने में यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। मूल्यांकन ज्यादा होने की फिक्र और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की बुलबुले बनने की चेतावनी आने पर मार्च में दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आई थी। मगर इसके बाद दोनों सूचकांकों ने अपने नुकसान से ज्यादा की भरपाई की है। स्मॉलकैप 100 सूचकांक मार्च के निचले स्तर से 20 फीसदी चढ़ा है और निफ्टी मिडकैप 100 में 12 फीसदी की तेजी आई है। स्मॉल और मिडकैप सूचकांक में तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 406.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साल की शुरुआत में बाजार पूंजीकरण 364 करोड़ रुपये था। इस महीने दोनों सूचकांकों ने सेंसेक्स और निफ्टी की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। सेंसेक्स और निफ्टी में इस महीने 1.4 फीसदी तेजी आई है। आईसीआईसीआई बैंक का तिमाही मुनाफा उम्मीद से बेहतर रहने से बेंचमार्क सूचकांकों का प्रदर्शन मंगलवार को बेहतर रहा है और इनमें 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा बढ़कर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक और ऐक्सिस बैंक के शेयर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बैंकिंग शेयरों में तेजी से बैंक निफ्टी सूचकांक 2.5 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। बाजार के भागीदारों ने कहा कि खुदरा निवेशकों और देसी संस्थागत निवेशकों के दम पर स्मॉल और मिडकैप में तेजी आई है वहीं अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के दबाव के कारण लार्जकैप का प्रदर्शन कमजोर रहा।

5 स्टार सुरक्षित कुशाक और स्लाविया MY24 अपडेट के साथ अधिक सुरक्षित हो गए हैं

अक्टूबर 2022 में कुशाक एसयूवी और अप्रैल 2023 में स्लाविया सेडान के साथ सुरक्षा मानक स्थापित करने के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया के सभी वेरिएंट में मानक के रूप में छह एयरबैग की शुरूआत के साथ अपनी सुरक्षा लकीर जारी रखी है। यह घोषणा कंपनी के भारत निर्मित ऐतिहासिक और विश्व भारत 2.0 उत्पाद पोर्टफोलियो के MY24 अपडेट का हिस्सा है।

इस बारे में बात करते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर पेट्र जनेबा ने कहा, "स्कोडा डीएनए में सुरक्षा को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी गई है। हम ग्लोबल एनसीएपी परीक्षण के तहत वयस्कों और बच्चों दोनों के लिए पूरे 5 स्टार हासिल करने वाले पहले ब्रांड हैं। सुरक्षा पर हमारा जोर हमारे मानवीय स्पर्श दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह एक पारिवारिक ब्रांड होने पर हमारे फोकस को भी रेखांकित करता है। हमने हमेशा अपने बेस वेरिएंट में फ्रंट एयरबैग और अपने टॉप वेरिएंट में 6 फ्रंट एयरबैग की पेशकश की है, जिनमें से प्रत्येक समान रूप से सुरक्षात्मक है। हमारे MY24 अपडेट के हिस्से के रूप में अब हम कुशाक और स्लाविया के सभी वेरिएंट में छह एयरबैग प्रदान करते हैं। हम हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुनते हैं और अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और अपने वैरिएंट लाइन अप में प्रासंगिक उन्नयन करके महत्वपूर्ण विनिर्माण प्रक्रियाओं को जारी रखते हैं।"

MY24 स्टार संस्करण

एक बड़ी पहल में, स्कोडा ऑटो इंडिया ने अब कुशाक और स्लाविया दोनों के लाइनअप में मानक के रूप में छह एयरबैग पेश किए हैं।

कुशाक की शुरुआत एक्टिव वेरिएंट से होती है, जो एसयूवी के वेरिएंट मिश्रण का हिस्सा है, जो मोंटे कार्लो और एलिगेंस एडिशन जैसे वेरिएंट के साथ एम्बिशन टॉपिंग तक स्टाइल करता है।

स्लाविया की शुरुआत भी एक्टिव से होती है, जो स्टाइल एडिशन और एलिगेंस एडिशन के साथ महत्वाकांक्षा और स्टाइल पर केंद्रित है। यह सभी स्पेक्ट्रम के ग्राहकों के लिए अत्यधिक मूल्य सुनिश्चित करता है।

दोनों कारें शक्तिशाली और कुशल 1.0 टीएसआई और 1.5 टीएसआई इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध हैं, जिसमें ट्रांसमिशन ड्यूटी के लिए छह-स्पीड मैनुअल, छह-स्पीड ऑटोमैटिक और सात-स्पीड डीएसजी का विकल्प है।

कुशाक और स्लाविया की रूड्ड24 रेंज में शामिल होने से कंपनी द्वारा 2023 की चौथी तिमाही में पहले से पेश किए गए अपडेट में और बढ़ोतरी हुई है। यह ऐसे समय में आया जब दोनों कारों में शीर्ष वेरिएंट में ड्राइवर के लिए इलेक्ट्रिक सीट जैसी सभी नई सुविधाओं की शुरुआत देखी गई। सह-चालक जो पहला खंड है और इसमें एक फुटवेल क्षेत्र है। डैश के केंद्र में स्कोडा प्ले ऐप्स के साथ परिचित 25.4 सेमी इंफोटेनमेंट स्क्रीन है। यह सिस्टम एप्पल कार प्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ वायरलेस तरीके से लिंक होता है। जबकि यह पूर्ण-विशेषताओं वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम स्टाइल में उपलब्ध था और हाल के अपडेट में, कंपनी ने इसे मध्य-स्तरीय एम्बिशन ट्रिम्स में भी पेश किया है, जिससे ग्राहकों के लिए मूल्य प्रस्ताव में और वृद्धि हुई है।

देश में सोने की मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन पहुंची

- एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी

नई दिल्ली ।

भारत की सोने की मांग कीमतों के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल की वजह से जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई। विश्व स्वर्ण परिषद ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सोने की खरीद से भी मांग में वृद्धि हुई। इस वर्ष जनवरी-मार्च में मूल्य के संदर्भ में भारत की सोने की मांग वार्षिक आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपये हो गई। इसका कारण मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ तिमाही औसत कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि भी है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024 जारी की। इसके अनुसार, भारत की कुल सोने की मांग, जिसमें आभूषण तथा निवेश दोनों शामिल हैं। इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 136.6 टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी।

भारत में सोने की कुल मांग में से आभूषणों की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन हो गई। कुल निवेश मांग 19 प्रतिशत बढ़कर 41.1 टन हो गई। डब्ल्यूजीसी के भारत में एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सोने की मांग में वृद्धि भारतीयों के सोने के साथ स्थायी रिश्ते की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक परिवेश सोने के आभूषणों की खपत के लिए सहायक रहा, हालांकि मार्च में कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं। इससे तिमाही समाप्त होने पर बिक्री कम हुई। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वर्ष भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रहेगी।

विप्रो के नए सीईओ का सालाना पैकेज 58,41,67,500 रुपए

नई दिल्ली । श्रीनि पलिया विप्रो कंपनी के नए सीईओ बन गए हैं जिसकी जानकारी कंपनी ने दी है। विप्रो कंपनी के नए सीईओ को कुल सात मिलियन डॉलर बतौर वेतन दिए जाने की घोषणा की गई है। ये राशि भारतीय रुपए में 58,41,67,500 रुपये सालाना होती है, जो 58.5 करोड़ रुपये है। श्रीनि पलिया को सीईओ और एमडी थिएरी डेलापोर्टे से इस्तीफा देने को कहा गया था। इसके बाद उन्हें विप्रो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वर्ष अप्रैल महीने में ही उन्हें ये पद सौंपा गया है। इसके बाद उन्होंने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। इतनी अधिक सैलरी पाने वाले श्रीनि पलिया दुनिया के कुछ चुनिंदा अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए है।श्रीनि पलिया तीन दशक से अधिक समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने विप्रो में भी कई जिम्मेदारियों को निभाया है। अमेरिकाज 1 यूनिट के सीईओ बनने से पहले ही वो विप्रो में भी पदभार संभाल चुके है। उनके पास कंज्युमर बिजनेस यूनिट की जिम्मेदारी थी। विप्रो की कंज्यूमर बिजनेस यूनिट का अध्यक्ष रह चुके है। वो बिजनेस एप्लिकेशन सर्विसेज के ग्लोबल हेड की जिम्मेदारी निभा चुके है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भी विप्रो के संबंध में जानकारी दी गई है कि बीते 32 वर्षों से कंपनी में काम कर रहे श्रीनि पलिया अब आगामी पांच वर्षों के लिए नई भूमिका में दिखाई देंगे। आगामी पांच वर्षों तक वो विप्रो के सीईओ बने रहेंगे।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने गुजरात के पहले नॉन-सर्जिकल डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट TMVR + TAVR का सफलतापूर्वक संचालन किया

अहमदाबाद।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने आज बड़े गर्व के साथ चिकित्सा के क्षेत्र में एक बेमिसाल उपलब्धि के बारे में जानकारी दी। दरअसल अस्पताल में 77 साल की एक बुजुर्ग महिला के इलाज के लिए, गुजरात में पहली बार नॉन-सर्जिकल डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (TAVR) और ट्रांसकैथेटर माइट्रल वॉल्व रिप्लेसमेंट (TMVR) का एक-साथ उपयोग करने वाली यह प्रक्रिया सचमुच काफी इनोवेटिव है, जो दिल की बीमारियों के इलाज में एक बड़ी प्रगति को दर्शाती है।

77 साल की मरीज, शांतिबेन (बदला हुआ नाम) का इलाज 12 साल पहले माइट्रल वॉल्व रिप्लेसमेंट और कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (CABG) सर्जरी से किया गया था। परंतु उनके माइट्रल वॉल्व की लगातार बिगड़ती स्थिति और उम्र बढ़ने के कारण एऑर्टिक वॉल्व में खराबी आ जाने की वजह से उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी बढ़ती उम्र, कमजोरी और दूसरी बार सर्जरी करने से जुड़े खतरे को देखते हुए, सर्जरी के पारंपरिक विकल्पों को बहुत अधिक जोखिम वाला माना गया।

पारंपरिक ओपन-हार्ट सर्जरी के विकल्प के तौर पर ट्रांसकैथेटर माइट्रल वॉल्व रिप्लेसमेंट (TMVR) और ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (TAVR) की तकनीक का सहारा लिया जाता है, जिसमें बेहद कम चीर-फाड़ की जरूरत होती है। डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट के इन दो तरीकों के एक साथ उपयोग का फायदा मरीजों को मिलता है, जो कम समय में ठीक हो जाते हैं, जटिलताएँ न्यूनतम होती हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

डॉ. मिलन चाग और डॉ. धवल नाइक की अगुवाई में विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम ने एकजुट होकर काम करते हुए झरूङ्क्रऔर TAVR की प्रक्रिया के एक साथ उपयोग करने का निर्णय लिया। इस नई और बिल्कुल अनोखी तरकीब से ओपन-हार्ट सर्जरी के बगैर मरीज के दोनों वॉल्व का आसानी से रिप्लेसमेंट करना संभव हुआ, जिससे प्रक्रिया से जुड़े जोखिम काफी हद तक कम हो गए तथा मरीज को बेहद कम चीर-फाड़ वाले उपचार का विकल्प प्रदान किया गया।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, स्ट्रक्चरल हार्ट डिजीज एवं TAVI स्पेशलिस्ट तथा हार्ट फेल्योर एवं हार्ट ट्रांसप्लांट कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. मिलन चाग कहते हैं, "इस तरह की सर्जरी के मामले काफी जोखिम भरे होते हैं जिसमें सर्जरी के पारंपरिक तरीके बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण होते हैं। लिहाजा ऐसे मामलों में TMVR और TAVR (TAVI) प्रक्रियाओं का एक साथ प्रयोग करना ही सबसे व्यवहारिक विकल्प है। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हम इस साहसी महिला जैसे मरीजों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार का मौका दे सकते हैं, जिसकी प्रक्रिया में जोखिम का स्तर बेहद कम होता है। यह प्रक्रिया बिना किसी चीरे के, सचेत बेहोशी और हल्के एनेस्थीसिया के तहत की जाती है, तथा मरीज 2-3 दिनों में घर जा सकते हैं। यह ऐसे बीमार मरीजों के लिए जीवन का उपहार है और उनके परिवार के लिए एक बड़ी राहत है।"

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के कार्डियोथोरेसिक एवं हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जन, डॉ. धवल नाइक इस बात पर जोर देते हैं कि, "दिल की बीमारियों के बढ़ते बोझ को दूर करने के लिए चिकित्सा की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाना महत्वपूर्ण है। नॉन-सर्जिकल डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट (TMVR + TAVR) को अपनाना गुजरात के लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा। यह इनोवेटिव तरीका मरीजों के परिणामों को बेहतर बनाने के साथ-साथ लोगों की जान बचाने वाली तकनीक को और अधिक सुलभ बना देगा।"

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने प्रिवे लॉन्च किया - एक अनूठा प्रोग्राम जो बेमिसाल कवरेज और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करता है

पुणे । भारत की अग्रणी निजी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने आज प्रिवे को लॉन्च कर दिया। यह एक एक्सक्लूसिव कस्टमर इक्स्पीरीयंस प्रोग्राम है जो बेजोड़ क्वालिटी के साथ साथ ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा तक अपनी पहुंच प्रदान करता है। परंपरागत रूप से, भारत में पिछले कुछ सालों में बीमा का विस्तार करने का प्रयास ज्यादातर टियर 2/ टियर 3 स्थानों और ग्रामीण बाजारो में केंद्रित रहा है, जिसमें मुख्य रूप से मध्यम, उच्च मध्यम वर्ग और ग्रामीण ग्राहक शामिल हैं। उपरोक्त सभी ग्राहक खंडों (customer segments) में बीमा पैठ बढ़ाने पर अपने मजबूत फोकस के अलावा, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस अब ग्राहकों के एक विशेष क्लास को अपनी सेवाएं देगा, जिन्हें आमतौर पर बढ़ी हुई कवरेज सीमा के साथ बीमा सोल्युशंस की आवश्यकता होती है। ऐसे समझदार ग्राहकों की वित्तीय और लाइफस्टाइल से जुड़ी प्राथमिकताओं के अनुरूप उनकी जरूरतों और सुरक्षा को पहचानते हुए, प्रिवे ट्रेडिशनल बीमा प्रोडक्टस से कहीं आगे निकल जाता है। प्रिवे का हिस्सा बनकर, ग्राहकों को उनकी विशिष्ट और प्राथमिकता वाली बीमा सेवाओं की एक रेंज मिल जाती है, जिससे उनकी आवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जाता है।

प्रिवे का हिस्सा बनने के लिए, ग्राहकों के पास उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार स्वास्थ्य, घर, मोटर, व्यक्तिगत दुर्घटना और साइबर, बीमा जैसे उत्पादों की एक श्रृंखला से चयन करने की सुविधा है। इसके बीमा उत्पादों में वर्तमान में माई हेल्थ केयर प्लान शामिल है, जो एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के रूप में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये की बीमा राशि के साथ अनुकूलन योग्य (customizable) स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करता है। ग्लोबल हेल्थ केयर विदेशी चिकित्सा उपचार के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के नियोजित और आपातकालीन उपचार जैसे कवरेज प्रदान करता है। साथ ही इसके ग्राहक पात्रता के लिए बीमा राशि के किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं। इसके अलावा, वी-पे ऐड-ऑन कवर के साथ एक मोटर प्रोडक्ट भी ऑफर किया जाएगा। इस ऐड-ऑन कवर ऑफर के तहत खंडित (fragmented) मोटर बीमा ऐड-ऑन की एक रेंज के फायदों का भी समावेश है, जिसके लिए मोटर वहीकल के लिए न्यूनतम बीमाकृत घोषित मूल्य (आईडीवी) 25 लाख रुपये या उससे अधिक की आवश्यकता होती है। माई होम इंश्योरेंस ऑल रिस्क पॉलिसी घर की संरचना और घर में मूल्यवान सामग्री दोनों के लिए व्यापक बीमा कवरेज सुनिश्चित करती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा रुमियन का नया ग्रेड पेश किया

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने आधिकारिक तौर पर टोयोटा रुमियन के नए ग्रेड जी-एटी की बुकिंग और कीमत की घोषणा की है। साथ ही ई-सीएनजी बुकिंग भी फिर से शुरू की है। नए लॉन्च किए गए जी-एटी वैरिएंट से उम्मीद है कि यह अपने बेजोड़ स्पेस और आराम, बेहतरीन ईंधन दक्षता, स्टाइलिश और प्रीमियम एक्सटीरियर डिज़ाइन के साथ रुमियन की बाज़ार में स्वीकार्यता को और बढ़ाएगा।

टीकेएम की यह नवीनतम पेशकश 13,00,000 रुपये की आकर्षक एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध होगी, जिसकी डिलीवरी 5 मई से शुरू होने की उम्मीद है। ग्राहक 11,000 रुपये की बुकिंग फीस के साथ किसी भी अधिकृत डीलरशिप पर या ऑनलाइन इस वाहन की बुकिंग कर सकते हैं।

यह घोषणा करते हुए, टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट - बिक्री और रणनीतिक विपणन, श्री सबरी मनोहर ने कहा, "टोयोटा रुमियन लाइनअप में हम नए ग्रेड को जोड़ने की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। इस तरह गतिशीलता की उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों के आदार पर ग्राहकों को व्यापक पसंद और अधिक विकल्प मिलेंगे।" जी-एटी वेरिएंट की बुकिंग अब शुरू हो गई है। अगस्त 23 में लॉन्च किये जाने के बाद से, टोयोटा रुमियन ने ग्राहकों के बीच बहुत उत्साह पैदा किया है, जिससे मजबूत पूछताछ और अच्छी बुकिंग हुई

जी-एटी वैरिएंट उन्नत तकनीक से सुसज्जित है, जिसमें वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 17.78 सेमी स्मार्टप्ले कास्ट टचस्क्रीन ऑडियो सिस्टम शामिल है। टोयोटा आई -कनेक्ट से सुसज्जित, यह जलवायु, लॉक/अनलॉक, खतरनाक रोशनी और कई अन्य कनेक्टेड सुविधाओं के लिए रिमोट कंट्रोल प्रदान करता है। टोयोटा रुमियन अपने मालिकों के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं जैसे डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, हिल होल्ड, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी) और बहुत कुछ के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता देता है। हम अपने मूल्यवान ग्राहकों द्वारा दिखाए गए प्यार और विश्वास की गहराई से सराहना करते हैं।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे रोहित, पांड्या होंगे उपकप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने एक जून से वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए की 15 सदस्यीय घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे जबकि हार्दिक पांड्या को उप-कप्तान बनाया गया है। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 05 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद 09 जून 2024 को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा।

टीम में विराट कोहली के साथ यशस्वी जायसवाल को जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव की भी टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ ही विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन दोनों को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर के रूप में शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल नजर आएंगे।

गेंदबाजों में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की जोड़ी एक बार फिर मैदान पर दिखाई

देगी जबकि प्रभावी अर्शधीप सिंह को मौका दिया गया है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज भी नजर आएंगे। टीम में मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिली है क्योंकि वह रिकवरी पर हैं। इसके अलावा शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान

टी20 विश्व कप 2024 में भारत का शेड्यूल

05 जून : भारत बनाम आयरलैंड, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

09 जून : भारत बनाम पाकिस्तान, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

12 जून : यूएसए बनाम भारत, नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क

15 जून : भारत बनाम कनाडा, सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क एंड ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल

मैड्रिड ओपन : नडाल ने कड़े मुकाबले में केचिन को हराया, स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में पहुंची

मैड्रिड (एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में पेड्रो केचिन को तीन सेट में शिकस्त दी। नडाल ने दुनिया के 91वें नंबर के खिलाड़ी केचिन को पुरुष एकल मुकाबले में 6-1, 6-7, 6-3 से हराया। पांच बार के चैंपियन नडाल ने इस जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नडाल अगले दौर में 31वें नंबर के खिलाड़ी जिरी लेहेका से भिड़ेंगे। शीर्ष वरीय यानिक सिनर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद पावेल कोतोव को 6-2, 7-5 से हराने में सफल रहे। वह प्री क्वार्टर फाइनल में 16वें वरीय कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव हार से सिर्फ दो अंक दूर थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सबेस्टियन कोर्डा को 5-7, 7-6, 6-3 से हरा दिया जबकि पांचवें वरीय कास्पर रूड ने कैमरन नोरी को 6-2, 6-4 से हराया। महिला एकल में मेडिसन कीज ने कोको गॉफ को 7-6, 4-6, 6-4 से हराकर क्वार्ट फाइनल में प्रवेश किया। वह अगले दौर में ओन्स जेब्युर से भिड़ेंगी जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सारा सोरिबेस टोर्मो को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराकर मैड्रिड में पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। अगले दौर में स्वियातेक की भिड़ंत 11वीं वरीय बीट्रिज हदाद माइया से होगी जिन्होंने पांचवीं वरीय मारिया सकारी को 6-4, 6-4 से हराया।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, आर्चर की वापसी, दो नए चहेरे भी शामिल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने जून में वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। जोस बटलर की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी शामिल किया गया है।

आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी की चोट से उबरने के बाद एक साल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। 2021 के बाद से उन्हें कई चोटों का सामना करना पड़ा है, जिसमें तनाव फ्रैक्चर और बार-बार कोहनी की समस्याओं से लेकर सर्जरी से गुजरना शामिल है। 29 वर्षीय तेज गेंदबाज की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी उपस्थिति एक साल पहले मार्च 2023 में इंग्लैंड के बांग्लादेश दौरे पर हुई थी।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर टॉम हार्टले एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं जिन्होंने बल्लेबाज विल जैक आईसीसी विश्व टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। सभी टीमों को 25 मई तक अपने दस्तों में बदलाव करने की अनुमति है जिसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की इवेंट तकनीकी समिति से अनुमोदन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा यह टीम अगले महीने लीड्स में चार मैचों की टी20 सीरीज में पाकिस्तान से भी भिड़ेगी।

इंग्लैंड क्रिकेट ने कहा कि चयनित खिलाड़ी जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं, पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए समय पर लौट आएंगे, जो 22 मई को हेडिंग्ले में शुरू हो रही है। विश्व कप टीम 4 जून को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में स्कॉटलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के शुरुआती ग्रुप मैच से पहले 31 मई को कैरेबियन के लिए उड़ान भरेगी।

टी20 विश्व कप और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की प्रारंभिक टीम

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन , आदिल रशीद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, और मार्क वुड.

पंजाब पर जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने अपने पिछले मुकाबले में यहां लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिससे वह अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। इस मैच में सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा शिवम दुबे, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र पर रहेगी। रविन्द्र अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और उनका लक्ष्य इस मैच में जमकर रन बनाना रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना आदि पर रहेगी। उसे पंजाब के निचले क्रम के बल्लेबाजों आशुतोष शर्मा और शशांक सिंह पर अंकुश लगाना होगा क्योंकि ये दोनो ही आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला देते हैं।

सुपरजाइंट्स के खिलाफ कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 98 रनों की शानदार पारी खेली थी जबकि गेंदबाजी में तुषार देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए थे। यहां की पिच गेंदबाजों के लिए सहायक रहती है जिसका लाभ भी सीएसके के गेंदबाज उठाना चाहेंगे। यहां ओस नहीं पड़े तो फिर दूसरी पारी में रन बनाना कठिन होता है। ऐसे में टॉस की अहम भूमिका रहेगी और पहले गेंदबाजी करने वाली टीम लाभ में रहेगी हालांकि ओस गिरने पर हालात बदल जाते हैं।

इस मैदान पर सीएसके ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 200 से अधिक रन बनाये थे। इससके बाद उसने अच्छी गेंदबाजी कर सनराइजर्स को हराया था। ऐसे में पंजाब के लिए चेपॉक पर खेलना आसान नहीं रहेगा। पंजाब ने हालांकि इस सत्र में एक बार लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाये हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ा है और वह जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पंजाब की बात करें तो टीम की बल्लेबाजी जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह के अलावा शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान सैम कुरेन, कागिसो रबादा जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

टीम

चेन्नई सुपरकिंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हांगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महीश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

अकरम की तरह तेजी से ओवर पूरा करते हैं जडेजा : सिद्धू

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने नवजोत सिंह सिद्धू अपने बड़बोलेपन के लिए जाने जाते हैं। अब सिद्धू ने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की तुलना पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर वसीम अकरम से की है। सिद्धू ने ये बात जडेजा के तेजी से ओवर पूरे करने को लेकर कही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अकरम जल्दी से ओवर पूरा किया करते थे, वैसे ही जडेजा भी तेजी से ओवर पूरा करते हैं। सिद्धू ने कहा जब ओवर पूरा करने की बात आती है तो जडेजा अकरम की तरह तेजी से गेंदबाजी करते हैं। इससे बल्लेबाजों पर दबाव बना रहता है क्योंकि उन्हें आराम का कोई अवसर नहीं मिलता। इसके अलावा सिद्धू ने बल्लेबाज शाहरुख खान को लेकर कहा कि वह प्रतिभाशाली है और पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी की तरह गेंद पर प्रहार करता है लेकिन उसे अपना विकेट बचाकर खेलना होगा और प्रदर्शन में निरंतरता दिखानी होगी।

श्रेयस अय्यर के आईपीएल में 3 हजार रन पूरे, इस लिस्ट में पाया 5वां स्थान

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 3,000 रन पूरे कर लिए। भारतीय बल्लेबाज ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। अय्यर ने 23 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 33 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। अय्यर अब तक 110 मैचों में 32.20 की औसत और 126.28 की स्ट्राइक रेट से 20 अर्धशतक के साथ 3,027 रन बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 है। अय्यर ने पहली बार 2015-2021 तक दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया और 2022 में नाइट्स में शामिल हुए। दिल्ली के लिए 87 मैचों में अय्यर ने 31.75 की औसत और 123.96 की स्ट्राइक रेट से 16 अर्धशतकों के साथ 2,375 रन बनाए हैं। कैपिटल्स के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 96 रन था। केकेआर के लिए अय्यर ने 23 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.52 की औसत और 135.55 की स्ट्राइक रेट से 4 अर्धशतकों के साथ 652 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 85 रहा है।

किसी खास शैली की नकल न करें पाक खिलाड़ी : गिलेस्पी

लाहौर (एजेंसी) । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने टीम के खिलाड़ियों से कहा है कि वे अपनी शैली में बदलाव न करते हुए अपना स्वाभाविक खेल ही खेलें। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रहे गिलेस्पी के अनुसार किसी खास शैली की नकल उन्हें भारी पड़ सकती है। कोच के अनुसार वह चाहते हैं कि उनके प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपने तरीके से ही खेलें। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रवैया रखना होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गिलेस्पी को अगले दो साल के लिए टीम को कोच बनाया है।

वहीं सीमित ओवरों के लिए कोच की कमान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज रहे गैरी कर्स्टन को दी गयी है। कर्स्टन के कोच रहते ही भारत ने साल 2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीता था। गिलेस्पी ने कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो। मेरे लिए यही बात सबसे अहम है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने का प्रयास

नहीं करना चाहिये जो आप नहीं हो।'

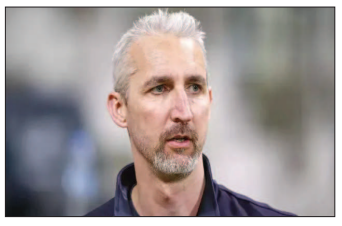

गिलेस्पी ने कहा, 'आप इसे कैसे करते हैं ये आपके ऊपर है। मैं केवल इतना कहूंगा कि सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और प्रशंसकों का मनोरंजन करें।' गिलेस्पी ने कहा, 'एक ऐसा समय भी आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा लेता है। इसमें ऐसा समय भी होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी टीम पर दबाव भी बनाना होता है।

कोच ने कहा कि पाक के पास कुशल खिलाड़ी हैं पर उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर हम जितना संभव हो अपने प्रदर्शन में उतनी निरंतरता ला सकें तो उम्मीद है कि स्कोरबोर्ड पर रन होंगे तो भी हम कुछ जीत हासिल कर सकते हैं। मुझे पता है कि वे बहुत प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को यह तय करने की जरूरत है कि वे स्वयं को कैसे देखना चाहते हैं और हम ऐसा कैसे कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'टीम के पास जीत के लिए जरुरी सभी कुछ है। मैं बल्लेबाजी में प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों को देखता हूं। उनमें से कई बहुत अच्छे स्ट्रोक खेलने वाले खिलाड़ी हैं। ये तकनीकी रूप से बहुत कुशल खिलाड़ी भी हैं।' उन्होंने कहा, ' टीम के पास ऐसे भी तेज गेंदबाज हैं जो तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और गेंद को स्विंग कराते है। इसके अलावा ऐसे स्पिनर भी हैं जो गेंद को तेजी से स्पिन कराते हैं।'

पृथ्वी की मुश्किलें बढ़ीं , सपना की याचिका पर सत्र अदालत ने भेजा समन

मुंबई । क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मुंबई की एक सत्र अदालत ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सपना गिल की याचिका पर पृथ्वी को समन जारी किया। सपना ने अपनी इस याचिका में इस क्रिकेटर के खिलाफ एक मजिस्ट्रेट के आदेशों को चुनौती दी है। अंधेरी की एक मेट्रोपॉलिटन अदालत ने इस महीने की शुरुआत में सपना की याचिका पर उस घटना को लेकर पुलिस जांच का आदेश दिया था, जिसमें एक पब में कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ करने के लिए पृथ्वीके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने हालांकि सपना की एक अन्य याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें क्रिकेटर और उसके दोस्त के खिलाफ उनकी शिकायत पर मामला दर्ज करने में विफल रहने के लिए पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। दोनों आदेशों से असंतुष्ट नजर आयीं सपना ने इसके बाद मलाड की एक सत्र अदालत के समक्ष एक समीक्षा आवेदन दायर किया। वकील अली काशिफ खान के माध्यम से दायर इस समीक्षा आवेदन में दावा किया गया है कि 3 अप्रैल को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश अनियमित और अवैध है। इस मामले की अगली सुनवाई 6 जून को होगी।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को मिली जगह

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में 1-29 जून तक खेले जाने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें एडेन मार्कराम टीम का नेतृत्व करेंगे। टी20आई कप्तान बनाए जाने के बाद यह मार्कराम का पहला विश्व कप होगा। टीम में अनुभवी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और होनहार ट्रिस्टन स्टब्स शामिल हैं। इसके अलावा, टीम में दो अनकैप्ड टी20आई खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज रयान रिकेलटन और तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन भी शामिल हैं। रिकेलटन एमआई केप टाउन के लिए 58.88 की औसत से 530 रन के साथ ऋ20 के दूसरे संस्करण के अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में रहे जबकि बार्टमैन ने गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए आठ मैचों में 18 विकेट लिए और वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दिल्ली कैपिटल्स के साथ हैं। कैगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्टजे तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्हें मार्को जेन्सन और गेराल्ड कोएत्ज़ी का समर्थन प्राप्त होगा। अन्य उल्लेखनीय चयनों में तीन फ्रंट-लाइन स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज और तबरेज़ शम्सी शामिल हैं। तेज गेंदबाजों में नांद्रे बर्गर और लुंगी एनगिडी को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में शामिल किया गया है। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'हाल ही में खेले गए टी20 क्रिकेट की मात्रा और जिस तरह का फॉर्म दिख रहा है, उसे देखते हुए इस समूह का चयन करना बेहद कठिन था। मैं दो अनकैप्ड खिलाड़ियों, रयान और ओटनील को उनके चयन पर बधाई देना चाहता हूं। हमने 2024 में अपने खिलाड़ियों का कुछ अविश्वसनीय प्रदर्शन देखा है और इससे मेरा काम वास्तव में बहुत कठिन हो गया। फिर भी मुझे गर्व और विश्वास है कि हमने सबसे मजबूत संभावित टीम का चयन किया है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वेस्ट इंडीज और यूएसए में सफलता की पूरी संभावना है।'

टी20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम- एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज़ शम्सी, और ट्रिस्टन स्टब्स।

पीबीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम आईसीसी के पास भेजा

-भारत सहित सभी टीमों के मैच पाक में ही रखे गये

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सहित सभी टीम के मैच पाक में ही रखें है जबकि भारतीय टीम के वहां जाने की कोई संभावना नहीं हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेजा है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पूरे पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी पाक करेंगा और किसी भी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के इस नौवें सत्र में शीर्ष 8 एकदिवसीय टीमें शामिल होंगी। इस टूर्नामेंट की शुरुआत फरवरी और मार्च 2025 में होगी। नकवी ने कहा कि पीसीबी ही इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करना चाहता है। नकवी ने कहा कि, हम पाक में पूरी चैंपियंस ट्रॉफी चाहते हैं। इसी कारण हमने आईसीसी को कार्यक्रम भेज दिया है। जहां तक सुरक्षा की बात है आईसीसी की टीम ने पाक का दौरा किया था और वह हमारे सुरक्षा इंतजामों से संतुष्ट दिखी है। पीसीबी को उम्मीद है कि भारतीय टीम इसमें शामिल होगी। हालांकि उसकी उम्मीदें पूरी होने की कोई संभावना नहीं है। इसका कारण है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से शायद ही पाक का दौरा करे। पिछले साल हुए पाक में हुए एशिया कप में भी भारतीय टीम शामिल नहीं हुई थी और उसके सभ मैच श्रीलंका में आयेजित किये गये थे। इस बार भी भारतीय टीम के पाक दौरे की कोई संभावना नहीं है। दूसरी ओर पीसीबी इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर दबाव बनाना चाहता है।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी) । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है।

भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1-2 से हार है। भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चैंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी।''

उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं।'' विश्व कप 1950 में जगह बनाने के बावजूद भारत इसमें क्यों नहीं खेला यह एक विवादास्पद विषय रहा है लेकिन चौबे ने कहा कि उस समय भारत की प्राथमिकता दिल्ली में होने वाले एशियाई खेल (1951) थे जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, ''मुझे पता चला कि हम इसलिए नहीं खेले क्योंकि भारत 1951 में दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी कर रहा था। वे जहाज से तीन महीने की यात्रा नहीं करना चाहते थे और विश्व कप को महत्व नहीं दिया।''

चौबे ने कहा, ''हम शायद 1950-74 तक केवल एशियाई खेलों और ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करने के कारण चूक गए होंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उन दिनों विश्व कप लोकप्रिय नहीं था और 1986 में डिएगो माराडोना को देखने के बाद ही भारत में फुटबॉल की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की लोकप्रियता बढ़ी। चौबे ने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं तो 1986 में टेलीविजन पर माराडोना को देखने के बाद ही विश्व कप लोकप्रिय हुआ। तब तक 1970 के दशक का सुनहरा दौर खत्म हो चुका था और हम मौके से चूक गए।'' उन्होंने कहा, ''यह 400 मीटर की दौड़ में पहला लैप चूकने जैसा है। हम शायद तेजी से दौड़ रहे हैं लेकिन 400 मीटर की दौड़ में बाकी लोग एक लैप (100 मीटर) आगे हैं।''

एआईएफएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि भारत को अन्य देशों से आगे निकलने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। चौबे ने कहा, ''इसलिए हमें इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। यह एक बड़ा देश है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि जागरूकता और नई तकनीक को अपनाकर उम्र में हेराफेरी को रोकना महत्वपूर्ण है। चौबे ने कहा, ''सबसे पहले अधिक उम्र की समस्या से निपटना होगा। हमें उम्र में हेराफेरी को रोकना होगा, यह विज्ञान के माध्यम से या जागरूकता बढ़ाकर हो सकता है। हमें दूसरों को शिक्षित करना होगा। एक टीडब्ल्यू3 मेडिकल परीक्षण भी है जिसे अनिवार्य बनाया जा सकता है।

हसी ने बताया रूतुराज की सफलता का राज

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ की तारीफ करते हुए कहा है कि उसे पता है कि कब क्या करना है। हसी ने कहा कि रूतुराज गेंदबाजों से एक कदम आगे चलता है जिससे उसे पता चल जाता है कि किस गेंद को कैसे खेलना है। हसी ने कहा ,'' मैं उससे पूछता रहता हूं कि उसके शानदार प्लेसमेंट का राज क्या है क्योंकि उसे हमेशा फील्डर के बीच में जगह मिल जाती है जिससे गेंद आसानी से सीमा रखा के पार निकल जाती है।'' कोच ने कहा ,'' वह चालाक बल्लेबाज है। उसे पता है कि किस गेंद पर स्ट्रोक खेलना है और किस पर नहीं। वह स्पिन गेंदों के साथ ही तेज गेंदबाजी का सामना भी आसानी से करता है। इससे वह मैदान के चारों ओर तेजी से रन बनाता है।'' साथ ही कहा ,'' वह हमेशा गेंदबाजों से एक कदम आगे रहता है। इसी कारण उसकी बल्लेबाजी देखने में आनंद आता है।

नवसारी लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी नैषध देसाई को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है

सुरत भुमि, सूरत। लोकसभा चुनाव 2024 में गिनती के दिन बचे हैं। इस बीच कांग्रेस और भारत गठबंधन के उम्मीदवार नैषध देसाई एक बार फिर नवसारी जिले के गांव-गांव में अपना चुनाव प्रचार तेज कर रहे हैं। इस समय पूरे देश में चुनावी माहौल जोरों पर है और हर पार्टी वोटरों को लुभाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। उस समय कांग्रेस और भारत गठबंधन के उम्मीदवार नैषध देसाई भी लगातार जनता के बीच पहुंच रहे हैं और कांग्रेस के घोषणापत्र को लोगों तक पहुंचा रहे हैं। जिसके तहत सूरत शहर और नवसारी जिले में शामिल गांवों में लोगों से संपर्क किया जा रहा है। फिर नवसारी के खेरगाम में कार्यकर्ताओं और गांव के लोगों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए और कांग्रेस गारंटी कार्ड के बारे में जानकारी हासिल की।

अठवालाइन्स स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में चुनावी ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों, कर्मियों ने बैलेट पेपर से मतदान किया

सूरत।

चुनाव आयोग द्वारा बैलेट पेपर से मतदान की सुविधा दी गई है ताकि चुनाव ड्यूटी में लगे सरकारी कर्मचारी मताधिकार से वंचित न हों। बैलेट पेपर से मतदान करने के लिए पुलिसकर्मियों और होम गार्ड तथा राज्य रिजर्व पुलिस बल के जवानों द्वारा भरे गए फॉर्म-12 को उनके संबंधित मतदान प्रभागों के चुनाव अधिकारियों को सौंप दिया गया, जिसके बाद चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को भेज दिया गया। पुलिस लाइन परिसर, अठवालाइन्स स्थित पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र पर बनाये गये आदर्श मतदान केन्द्र पर बैलेट पेपर से मतदान कर मतदान प्रक्रिया में भाग लिया।

वोटिंग से डाक मतपत्र की प्रक्रिया में 159-सूरत पूर्व विधानसभा क्षेत्र के श्रेणी-2 के 567 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, होम गार्ड ने पूरे दिन अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अठवालाइन्स के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में डी.सी.पी. (अपराध शाखा) बी.पी. रोज़िया, एसीपी (जी डिवीजन, पोस्टल बैलेट पुलिस नोडल) वी.आर. मल्होत्रा, डीसीबी के पीआई श्री के. आई. मोदी, पीआई सर्वश्री जे.एन. झाला, एस.एन. परमार, जे.एन. गौस्वामी, ए.एन. मोरी सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने डाक मतपत्र से मतदान किया।

यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि सूरत पूर्व विधानसभा क्षेत्र के पुलिस कर्मचारी जिनमें होम गार्ड रैंक नं. 1 से 500 तक ने बैलेट पेपर द्वारा मतदान के अधिकार का प्रयोग किया, जबकि पुलिस विभाग के शेष अधिकारी, कर्मचारी 01/05/2024 को अठवालाइन्स स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में बैलेट पेपर से मतदान करेंगे।

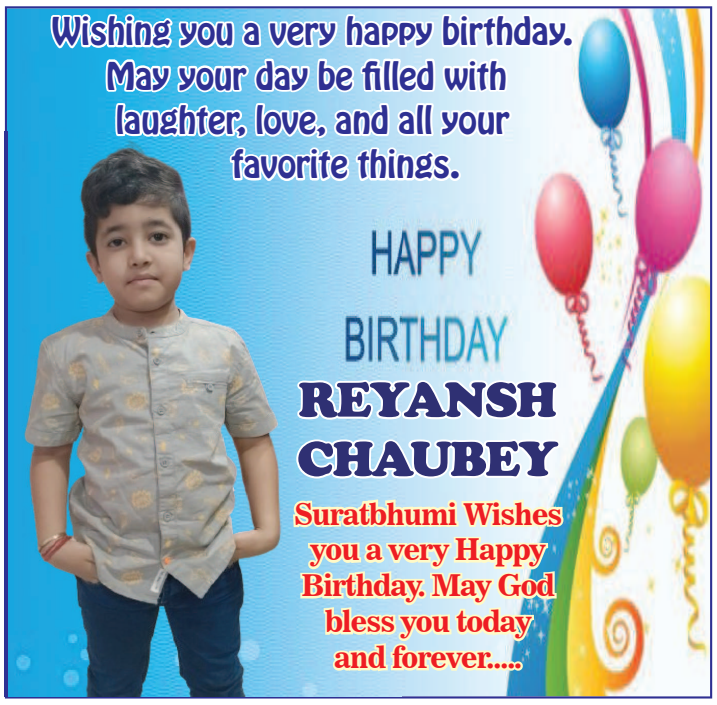

मानवीय मूल्यों एवं आध्यात्मिक संस्कार का जीवंत उदाहरण : निरंकारी बाल संत समागम

सूरत।

निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से आज यहां नेशनल हाइवे स्थित माँ रिसोर्ट, नंदवाला, गूंदलाव, वलसाड पर निरंकारी बाल संत समागम आयोजन किया गया, जिसमें दक्षिण गुजरात से आये हुए बाल संतो ने भागीदारी ली।

अहमदाबाद के जोनल इंचार्ज श्री धर्मपाल मोटवानी जी ने बच्चों और युवाओं के उत्साह की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज दिव्य सिखलाईयों के माध्यम से बाल संतो और युवाओं को श्रेष्ठ संस्कार दे रही हैं, ताकि आने वाली पीढ़- न केवल अपने परिवार का अपितु अपने देश का भी नाम रोशन करें ओर सद्गुरु से ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर आध्यात्म को जीवन में अपनाएं। बच्चों को बचपन से ही सत्संग में लाना खूब जरूरी है क्योंकि घर-परिवार में प्रेम ओर सत्कार हो यही व्यवहारिक सीख निरंकारी मिशन दे रहा है। आज के समय में जहाँ बच्चे कुसंगति का संग कर लेते हैं और परिणामस्वरूप घर का माहौल खराब हो जाता है इसलिए बाल समागमों का उद्देश्य सभी संतों को आध्यात्म की ओर प्रेरित करना है।

युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान कर देश का भविष्य उज्वल बनाया जा सकता है।वरना ये शक्ति गलत राह की ओर अग्रसर हो जायेगी।निरंकारी सद्गुरु माता जी देशभर में निरंकारी यूथ एवं सिम्पोजियम एवं बाल समागम के माध्यम से मानवता को यही सिखलाई देने का प्रयास कर रही हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों ने गीत, भजन, कविताएं और लघु नाटक के माध्यम से प्रेरक विचार व्यक्त कर निरंकार-प्रभु और सत्संग से

जुड़े रहने की सीख दी।

वलसाड सेक्टर के संयोजक श्री उत्तमभाई भागलिया जी ने बाल समागम में सम्मिलित हुए नन्हे मुन्हे बच्चों, अभिभावकों, सेवादल के सदस्यो ओर वहां उपस्थित साध संगत का हृदय से धन्यवाद करते हुए कहा कि बाल समागम के माध्यम से यही प्रयास किया जा रहा है कि बाल संतो में सेवा, सिमरण, सत्संग के अतिरिक्त सत्य, एकत्व की भावना, आपसी भाईचारा जैसे चारित्रिक गुणों के विकास के साथ साथ सामाजिक गुणों का भी विकास किया जा सके।

सुरत भुमि, सूरत। लोकसभा चुनाव में नवसारी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नैषध देसाई ने सचिन मगदल्ला रोड स्थित रामजी वाडी में एक न्याय सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें मुकुल वासनिक, शक्तिसिंह गोहिल और अन्य ने भाजपा पर हमला बोला। लोकसभा चुनाव में गुजरात की सभी सीटों पर 7 मई को एक साथ वोटिंग होगी। फिर नवसारी लोकसभा सीट पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. कांग्रेस ने पाटिल के खिलाफ अनुभवी गांधीवादी नैषध देसाई को मैदान में उतारा है। उस समय नवसारी लोकसभा क्षेत्र में आ रहे सचिन मगदल्ला ने जियाओ बुड़िया चौकड़ी के पास रामजी वाडी में न्याय सम्मेलन का आयोजन किया था। एआईसीसी महासचिव और गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक, गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के आयोजन प्रभारी शैलेश परमार उपस्थित थे। जहां सभी ने बीजेपी पर हमला बोला।

सुरत भुमि, सूरत। चैंबर ऑफ कॉमर्स में हुए मतदान के लिए नवसारी लोकसभा सीट से कांग्रेस के इंडिया अलायंस के उम्मीदवार नैषध देसाई भी वोट डालने पहुंचे। जहां उन्होंने यह भी कहा कि चैंबर के पदाधिकारी राजसत्ता के गुलाम हैं। चैंबर ऑफ कॉमर्स तीन साल बाद उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराएगा। रविवार को सरसाना कन्वेंशन सेंटर में मतदान हुआ। इस चुनाव में उपराष्ट्रपति पद के लिए 11 उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। जिनमें से 9 उम्मीदवार धीरे-धीरे अपना फॉर्म वापस ले रहे हैं और अब 2 उम्मीदवार मैदान में हैं। निखिल मद्रासी और मनीष कपाड़िया के बीच चुनावी जंग है। उस वक्त नवसारी लोकसभा सीट से इंडिया अलायंस के कांग्रेस उम्मीदवार नैषध देसाई भी चैंबर पोल में वोट डालने पहुंचे। और उन्होंने चैंबर के चुनाव पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि चैंबर के पदाधिकारी अब राजसत्ता के गुलाम हैं।

सुरत भुमि, सूरत। कांग्रेस और भारत गठबंधन के उम्मीदवार नैषध देसाई ने आज नवसारी जिले के चिखली तालुक में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। नवसारी लोकसभा कांग्रेस और इंडिया एलायंस के उम्मीदवार नैषध देसाई ने अपने प्रचार अभियान को और तेज कर दिया है और नवसारी के साथ-साथ सूरत शहर में आने वाले इलाकों में भी चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। जिसके तहत नवसारी जिले के चिखली तालुका के एक गांव में उन्होंने रोजाना कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और चुनाव प्रचार के लिए मार्गदर्शन दिया और गांव के लोगों को कांग्रेस गारंटी कार्ड के बारे में भी बताया।

IDFC फर्स्ट बैंक का PAT FY24 के लिए सालाना 21% बढ़कर रु. 2,957 करोड़

वित्तीय परिणाम एक नज़र में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल ने आज अपनी बैठक में 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी।

वार्षिक लाभप्रदता

* FY23 में शुद्ध लाभ रु. 2,437 करोड़, वित्त वर्ष 2014 में 21% सालाना वृद्धि के साथ रु. 2,957 करोड़. दोनों वर्षों के व्यापारिक लाभ को छोड़कर, PAT में वृद्धि 28% YOY थी।

* FY23 में कोर प्री-प्रोविजनिंग ऑपरेटिंग प्रॉफिट (PPOP ट्रेडिंग लाभ को छोड़कर) रु. 4,607 करोड़, वित्त वर्ष 2014 में 31% सालाना वृद्धि के साथ रु। 6,030 करोड़.

* FY23 में शुद्ध ब्याज आय (NII) रु. 12,635 करोड़, यह वित्त वर्ष 24 में 30% की वृद्धि के साथ रु. 16,451 करोड़ • एयूएम पर आधारित शुद्ध ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 2023 में 6.05% से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 6.36% हो गया। • FY23 में फीस और अन्य आय रु. 4,142 करोड़, वित्त वर्ष 2014 में 40% सालाना वृद्धि के साथ रु. 5,795 करोड़ • FY24 में खुदरा शुल्क कुल शुल्क का 93% है।

* FY23 में कोर ऑपरेटिंग आय रु. 16,777 करोड़, वित्त वर्ष 24 में 33त्न सालाना वृद्धि के साथ रु। 16,216 करोड़. • FY23 में प्रावधान रु. 1,665 करोड़, वित्त वर्ष 2014 में 43% सालाना वृद्धि के साथ रु। 2,382 करोड़. • FY24 के लिए औसत वित्त पोषित परिसंपत्तियों के % के रूप में क्रेडिट लागत 1.32% थी।

* FY24 के लिए RoA 1.10% था; FY24 के लिए RoE 10.30% था।

त्रैमासिक लाभप्रदता

* FY24 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ रु. 724 करोड़, जो FY23 की चौथी तिमाही में रु. 803 करोड़. FY24 की चौथी तिमाही में PAT रु. 701 करोड़, Q4 FY23 में पहले से ही मांगे गए एकमुश्त आइटम को छोड़कर।

* FY23 की चौथी तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (NII) रु. 3,597 करोड़, Q4FY24 में रुपये से 24% अधिक। 4,469 करोड़. • FY23 की चौथी तिमाही में फीस और अन्य आय रु.1,610 करोड 1,181 करोड़, Q4FY24 में रुपये से 36% अधिक।• FY23 की चौथी तिमाही में परिचालन व्यय रु. 3,436 करोड़, वित्त वर्ष 2014 की चौथी तिमाही में 29% अधिक। 4,447 करोड़. • Q4FY23 में तिमाही के लिए कोर पीपीओपी (ट्रेडिंग लाभ को छोड़कर प्री-प्रोविजनिंग ऑपरेटिंग प्रॉफिट)। 1,342 करोड़, Q4FY24 में 22% की वृद्धि के साथ रु. 1,632 करोड़.

* FY23 की चौथी तिमाही में प्रावधान रु. 482 करोड़, Q4FY24 में यह 50% बढ़कर रु. 722 करोड़ का काम हुआ है.

जमा और उधार

* 31 मार्च, 2023 को बैंक की कुल जमा (जमा प्रमाणपत्र सहित) रु. 1,44,637 करोड़ सालाना आधार पर 38.7% बढ़कर रु. 2,00,576 करोड़.

* 31 मार्च, 2023 तक ग्राहक जमा रु. 31 मार्च, 2024 तक 41.6% सालाना वृद्धि के साथ 1,36,812 करोड़ रुपये। 1,93,753 करोड़.

* 31 मार्च 2023 तक CASA जमा रु. 71,983 करोड़, 31 मार्च 2024 तक 31.7% सालाना वृद्धि के साथ रू. 94,768 करोड़।

* 31 मार्च 2024 को CASA अनुपात 47.2% था।

* 31 मार्च 2023 तक खुदरा जमा रु. 31 मार्च, 2024 तक 45.7% सालाना वृद्धि के साथ 1,03,870 करोड़ रुपये। 1,51,343 करोड़.

* कुल ग्राहक जमा के % के रूप में खुदरा जमा 31 मार्च 2023 को 75.9% से बढ़कर 31 मार्च 2024 को 78.1% हो गया।

* 31 मार्च, 2023 तक विरासती उच्च-लागत उधार रु. 31 मार्च, 2024 को 17,673 करोड़ रु. 11,809 करोड़।

* बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के दौरान 135 नई शाखाएँ खोलीं और 31 मार्च, 2024 तक शाखाओं की संख्या 944 तक पहुँच गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)